नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली, सोमवार
17 मार्च 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 17 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

ट्रेन हाईजैक के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल को ले जा रही बस में विस्फोट, पांच अधिकारियों की मौत

क्वेटा । पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान के नौशकी में सुरक्षा बलों को लेकर जा रही बस में विस्फोट हो गया। हमले में पांच सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। जबकि 12 सैन्यकर्मी घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। वहीं बलूचिस्तान सरकार ने हमले की निंदा की है।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान के नौशकी में सुरक्षा बलों को लेकर जा रही बस में विस्फोट हो गया। हमले में पांच सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। जबकि 12 सैन्यकर्मी घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। वहीं बलूचिस्तान सरकार ने हमले की निंदा की है।

शेष पेज 2 पर

मृत्यु कुंभ टिप्पणी को लेकर सीएम योगी ने साधा ममता बनर्जी पर निशाना, कहा-

ये मृत्यु नहीं है, यह मृत्युंजय है

गोरखपुर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनके मृत्यु कुंभ वाले बयान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में असमर्थ रहे, उन्होंने प्रयागराज के महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहा था।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा, पहली बार तमिलनाडु से लोग आए थे। केरल से भी लोग आए थे। उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और होली शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई लेकिन पश्चिम बंगाल में होली के दौरान कई उपद्रव हुए, जो लोग

होली के दौरान उपद्रव को नियंत्रित करने में असमर्थ थे उन्होंने कहा था कि प्रयागराज का महाकुंभ मृत्यु कुंभ था।

उन्होंने कहा, लेकिन, हमने कहा कि यह मृत्यु नहीं है, यह मृत्युंजय है। यह महाकुंभ है। इस कुंभ ने साबित कर दिया है कि महाकुंभ के 45 दिनों में, हर दिन पश्चिम बंगाल के 50 हजार से एक लाख लोग इस आयोजन का हिस्सा थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 18 फरवरी को कहा था कि भगदड़ की घटनाओं के कारण महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है। उन्होंने दावा किया था कि महाकुंभ में मौतों के वास्तविक आंकड़े को अधिकारियों ने दबा दिया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में एक संबोधन के दौरान बनर्जी ने कहा था, उन्होंने मौतों का आंकड़ा कम करने के लिए सैकड़ों शवों को छिपा दिया है। भाजपा शासन में महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है। इसके बाद, 20 फरवरी को ममता बनर्जी ने कोलकाता के पास न्यूटाउन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि वह सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करती हैं।

उन्होंने कहा था, किसने कहा कि मैं अपने धर्म का सम्मान नहीं करती? याद रखें कि धर्म एक व्यक्ति का होता है लेकिन त्योहार सभी के लिए होते हैं। हमारे देश में, हमारे पास कई राज्य हैं और प्रत्येक की भाषा, शिक्षा, जीवन जीने का तरीका, संस्कृतियाँ तथा मान्यताएँ अलग-अलग हैं। लेकिन हम सभी संस्कृतियों का सम्मान करते हैं और यही कारण है कि विविधता में एकता हमारा दर्शन और विचारधारा है।

सीएम योगी ने भाजपा के नवनियुक्त जिला व महानगर अध्यक्षों को दी बधाई, दिया संदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नवनियुक्त महानगर एवं जिला अध्यक्षों को उज्ज्वल कार्यकाल के लिए बधाई दी है। इस सूची में जातीय समीकरणों का भी खास ध्यान रखा गया है।

भाजपा ने रविवार को प्रदेश के 72 संगठनात्मक जिलों के नवनियुक्त जिला एवं महानगर अध्यक्ष की सूची जारी कर दी है। इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ सभी को उज्ज्वल कार्यकाल के लिए बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर लिखा कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सभी नवनियुक्त जिला एवं महानगर अध्यक्ष गण को हार्दिक बधाई!

पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे और उत्तर प्रदेश में मा. प्रधानमंत्री जी के सुरक्षा एवं सुशासन के अभियान को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।

सभी को उज्ज्वल कार्यकाल हेतु अनंत शुभकामनाएं!

भाजपा ने दो महीने की मशक्कत के बाद पदाधिकारियो की सूची जारी है। पदाधिकारियों की नियुक्ति में जातीय समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है।

शेष पेज 2 पर

तेजप्रताप मामले पर जीतन राम मांझी ने किया लालू राज को याद

मगध-गया। जीतन राम मांझी ने कहा कि 2005 के पहले देखा गया है। फिर उन लोग यही सोच रहे हैं एक बार मौका मिले। बिहार की जनता इतना सजग हो गई है कि उन लोगों को मौका देने के स्थिति में नहीं है।

बोधगया आवासीय कार्यालय में रविवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने खादी ग्राम उद्योग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त 210 लाभुकों के बीच 2100 मधुमक्खी टूल किटों का वितरण किया। बीते दिन होली मिलन समारोह के दौरान राजद नेता तेजप्रताप द्वारा पुलिसकर्मी को ठुमके लगाने का आदेश दिया नहीं तो सस्पेंड करने की धमकी के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह लोग गलत काम के लिए जाने जाते हैं। उनके पिताजी के राज्य में रात में क्या-क्या एक अणे मार्ग में होता था, वह सब लोग जानते हैं। उनके सुपुत्र है, वह भी ऐसा करते हैं तो वह गलत क्या करते हैं।

शेष पेज 2 पर

भारत पहुंचे न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भारत दौरे पर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने उनका स्वागत किया। वह रायसीना डायलॉग 2025 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन रविवार को पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। वह रायसीना डायलॉग 2025 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर लक्सन 16 से 20 मार्च तक देश में रहेंगे।

दौरे से पहले न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा था कि वह भारत के साथ एक व्यापक आर्थिक साझेदारी पर जोर देंगे और दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

शेष पेज 2 पर

आरएसएस को समझना आसान नहीं, इसके कामकाज को समझना होगा:पीएम मोदी

नई दिल्ल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के जानेमाने पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन से लंबी बातचीत हुई है। इसमें पीएम मोदी ने लेक्स फ्रिडमैन से अपने बचपन से लेकर सार्वजनिक जीवन की यात्रा समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में ष्ट्रस् से अपने जुड़ाव के बारे में भी बात की है। इसमें पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैंने ष्ट्रस् जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार और मूल्य सीखा। मुझे उद्देश्यपूर्ण जीवन मिला।

संघ से बताया अपना जुड़ाव- पीएम मोदी ने बताया कि बचपन में ष्ट्रस् की सभाओं में जाना हमेशा अच्छा लगता था। मेरे मन में हमेशा एक ही लक्ष्य रहता था, देश के काम

आना। यही 'संघ' ने मुझे सिखाया। आरएसएस इस साल 100 साल पूरे कर रहा है। आरएसएस से बड़ा कोई 'स्वयंसेवी संघ' दुनिया में नहीं है। आरएसएस को समझना आसान काम नहीं है, इसके कामकाज को समझना होगा। यह अपने सदस्यों को जीवन का उद्देश्य देता है। यह सिखाता है कि राष्ट्र ही सब कुछ है और समाज सेवा ही ईश्वर की सेवा है। हमारे वैदिक संतों और स्वामी विवेकानंद ने जो सिखाया है, संघ भी यही सिखाता है... आरएसएस के कुछ सदस्यों ने शिक्षा में क्रांति लाने के लिए 'विद्या भारती' नामक संगठन की शुरूआत की। उनके देश भर में करीब 25 हजार स्कूल चलते हैं, एक समय में 30 लाख छात्र इन स्कूलों में पढ़ते हैं... वामपंथियों द्वारा प्रचारित श्रमिक आंदोलन 'दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ!' का नारा लगाते हैं, जबकि ष्ट्रस् का श्रमिक संगठन 'मजदूरों, दुनिया को एक करो!' का नारा लगाता है।

वहीं, लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने अपनी आलोचनाओं पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं आलोचना का स्वागत करता हूं, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह लोकतंत्र की आत्मा है।

पाकिस्तान को लेकर कही बड़ी बात- इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को लेकर भी बात की। पीएम ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि पाकिस्तान को सद्बुद्धि मिलेगी और वे शांति का रास्ता चुनेंगे। पीएम ने कहा कि पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं। मैंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान को आमंत्रित किया था ताकि वह एक नया अध्याय शुरू कर सके, लेकिन शांति के हर प्रयास का सामना दुश्मनी और विश्वासघात से हुआ।

शेष पेज 2 पर

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंतमान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अरविंद केजरीवाल ने अमृतसर में कहा, 'भगवंत मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की। आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है।'

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता स्वर्ण मंदिर पहुंचे। बता दें, आप ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

शेष पेज 2 पर

धरती से आए साथियों को देख खुशी से झूम उठीं सुनीता

नई दिल्ली । नासा और स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन इस समय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद है। फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर सवार होकर क्रू-10 मिशन के अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पहुंचे। सफल डॉकिंग और हैच खुलने के बाद, अंतरिक्ष यात्रियों ने सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर से मुलाकात की। इस खास पल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लंबे समय से फंसे अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स के स्थान पर अन्य अंतरिक्ष

यात्रियों को तैनात करने के लिए एक दिन पहले रवाना हुआ ह्यस्पेसएक्सह्ल का यान रविवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया।

इसके साथ ही विलियम्स और विल्मोर की वापसी का रास्ता साफ हो गया। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे चार नए अंतरिक्ष यात्री अमेरिका, जापान और रूस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे कुछ दिन विलियम्स और विल्मोर से स्टेशन के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

माना जा रहा है कि अगर मौसम सही रहा तो दोनों फंसे अंतरिक्ष यात्रियों को अगले सप्ताह फ्लोरिडा के तट के निकट जलक्षेत्र में उतारा जाएगा।

शेष पेज 2 पर

सीबीएसई | साल में दो बार परीक्षा...

विषयों की आजादी और स्कूलों को मिली छूट, यहां देखें सीबीएसई की मुख्य घोषणाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने हाल ही में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं, जो भारत की शैक्षिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, लचीला और समावेशी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। आइए विस्तार से जानें...

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने हाल ही में कई बड़े फैसले लिए हैं, जो छात्रों और स्कूलों के लिए बहुत फायदेमंद होंगे। इन बदलावों का मकसद शिक्षा प्रणाली को आसान, लचीला और बेहतर बनाना है, ताकि छात्रों को पढ़ाई का ज्यादा फायदा मिले और स्कूलों को काम करने में सहूलियत हो। सीबीएसई लगातार

ऐसी नई नीतियां बना रहा है, जिससे परीक्षा प्रणाली और स्कूलों की कार्यप्रणाली पहले से ज्यादा प्रभावी हो सके।

पिछले एक हफ्ते में सीबीएसई ने कुछ अहम घोषणाएं की हैं, जिनका असर सीधा छात्रों और स्कूलों पर पड़ेगा। आइए जानते हैं ये बड़े बदलावः

सीबीएसई ने स्कूलों की मान्यता (संबद्धता) प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (ठडउ) से जुड़े नियमों में संशोधन किया है। अब स्कूलों को संबद्धता प्राप्त करने के लिए पहले से अधिक सुविधाजनक प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिससे नए स्कूलों को मान्यता प्राप्त करने में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इस फैसले से शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ेगी और ज्यादा से ज्यादा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। विस्तृत विवरण यहां पढ़ें...

सीबीएसई ने यह निर्णय लिया है कि विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की परीक्षाओं में सहायता करने वाले स्क्राइब्स को प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

शेष पेज 2 पर

असम बजट 2021-2026: हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में विकास की एक दूरदर्शी यात्रा: - भबेंद्र दास

असम। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के गतिशील नेतृत्व में, पिछले चार वर्षों के साथ-साथ वर्तमान वर्ष असम के विकास और समृद्धि के लिए एक स्वर्ण युग रहा है। राज्य ने अभूतपूर्व विकास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक कल्याण सुधारों को देखा है, जिससे असम देश के बाकी हिस्सों के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। 2021 से 2026 तक के वार्षिक बजट ने इस बदलाव को आकार देने, बुनियादी ढांचे के विस्तार, युवा सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, महिलाओं के विकास और ग्रामीण विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भाजपा की डावल इंजन सरकार के तहत, असम ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। यह बात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुसूचित जाति मोर्चा के राज्य सचिव भवेंद्र दास ने एक बयान में कही। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के एक गौरवशाली पदाधिकारी के रूप में, मुझे इन बजटों की यादगार उपलब्धियों पर प्रकाश डालना का मौका मिलने पर अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं, जिस बजट का सीधा फायदा असम के लोगों को मिला है। उन्होंने कहा कि देखिए इन बजटों ने राज्य में कैसे ऐतिहासिक बदलाव लाया है। दास ने कहा, असम बजट 2021-22: एक नए युग की ओर पहला कदम:

असम बजट 2021-22 डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में पहला था। कर्ज के बोझ, आर्थिक मंदी और नीतिगत पक्षाघात से मुक्त राज्य के उद्देश्य से 1.07 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय के साथ, यह एक नए असम की नींव रखता है। इस बजट की मुख्य विशेषताएं हैं:

1. कोई नया कर नहीं: महामारी की चुनौतियों के बावजूद, सरकार ने कोई नया कर नहीं लगाने का फैसला किया, जिससे लोगों को राहत मिली।

2. माइक्रोफाइनेंस ऋण राहत: गरीब महिलाओं के संघर्षों को पहचानते हुए, सरकार ने माइक्रोफाइनेंस उधारकताओं के लिए ऋण माफी योजना की घोषणा की है।

3. शिक्षा बढ़ाना: डिजिटल विभाजन को पाटकर 8 लाख छात्रों को स्मार्टफोन प्रदान करने के लिए 40 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

4. कृषि विकास: कृषि, मत्स्य पालन और डेयरी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कृषि आयोग की स्थापना।

5. स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा: ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 अस्पताल बनाने की योजना के साथ पांच नए मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी दी गई।

बजट में आर्थिक पुनरुद्धार और गरीबों के लिए राहत को प्राथमिकता दी गई, जिससे सरकार के भविष्य के दृष्टिकोण के लिए टोन सेट हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि असम बजट 2022-23 में है आत्मनिर्भरता और ग्रामीण विकास:

1,27,283.42 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, 2022-23 के बजट ने रोजगार, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए असम के आत्मनिर्भर अभियान को आगे बढ़ाया। इसकी मुख्य घोषणाएं हैं:

1. मुख्यमंत्री स्वरोजगार मिशन: 2 लाख युवाओं को उद्यमियों में बदलने की एक प्रमुख योजना जिसके लिए तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

2. महिला सशक्तिकरण: स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को मजबूत करने के लिए 4000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं, जिससे 39 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं।

3. सबके लिए स्वास्थ्य सेवा: 'मुख्यमंत्री आयुष्मान असम' का शुभारंभ किया गया है, लाखों गरीब परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया गया है।

4. गरीबों के लिए घरों का निमार्ण: मुख्यमंत्री आवास योजना यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है कि हर बेघर परिवार को पक्का घर मिले।

5. बुनियादी ढांचे का विस्तार: ग्रामीण सड़कों, पुलों और पेयजल परियोजनाओं में बड़ा निवेश।

इस बजट ने वास्तव में असम के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाया, उन्हें आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि असम बजट 2023-24 सतत विकास और बुनियादी ढांचे का विकास है:

1,36,316.69 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक व्यय के साथ, 2023-24 के बजट ने भौतिक बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विस्तार और शिक्षा पर ध्यान देने के साथ असम के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले गया। इसके मुख्य आकर्षण है :

1. सबसे बड़ी सड़क विकास योजना: सड़कों, पुलों और शहरी कनेक्टिविटी के लिए 15102 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

2. चाय बागान कल्याण: चाय बागान श्रमिकों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय

सहायता के लिए विशेष धन।

3. शिक्षा में क्रांति: चाय बागानों में स्कूलों के उन्नयन और नए हाई स्कूलों के निर्माण के लिए 'प्रज्ञान भारती' के तहत 2,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

4. राजस्व सृजन के लिए वृद्धि: राज्य की आय बढ़ाने के लिए कर सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की गई, जबकि यह सुनिश्चित किया गया कि आम आदमी पर कोई बोझ न पड़े।

5. हेल्थकेयर विस्तार: असम भर में नए अस्पतालों और कल्याण केंद्रों का निर्माण।

यह बजट संतुलित विकास सुनिश्चित करता है, जिसमें शहरी और ग्रामीण विकास दोनों को शीर्ष पर रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि असम बजट 2024-25 एक रिकॉर्ड तोड़ मील का पत्थर है:

2024-25 के बजट ने असम के लिए एक ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित किया क्योंकि सरकार ने जनवरी 2025 तक 1 लाख करोड़ रुपये का बजटीय उपयोग हासिल किया था, जो राज्य के इतिहास में सबसे अधिक है। इसकी अभूतपूर्व सफलता है:

1. 17,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय: असम में रिकॉर्ड तोड़ बुनियादी ढांचा विकास, नए मानक स्थापित करना।

2. सबसे बड़ा सड़क और पुल नेटवर्क: 1236 नए पुलों

और 18000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है, जिससे असम के सड़क नेटवर्क का विस्तार 65748 किलोमीटर तक हो गया है।

3. गुवाहाटी रिंग रोड: शहर में यातायात की भीड़ को कम करने और सुचारू परिवहन के लिए 3,689 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

4. काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर: परिवहन कनेक्टिविटी में सुधार करते हुए वन्यजीवों की रक्षा के लिए 6,000 करोड़ रुपये का उपाय।

5. स्मार्ट सिटी और डिजिटल गवर्नेंस: कागज रहित शासन और बेहतर नागरिक सेवाएं सुनिश्चित करने वाला असम डिजिटल रूप से विकसित राज्य बन गया है।

यह बजट डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व का एक वास्तविक वसीयतनामा था, जिसने असम को भारत के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक बना दिया। अंत में, उन्होंने वर्तमान बजट का उल्लेख किया और कहा, असम बजट 2025-26, 2030 की ओर प्रक्षेपवक्र है:

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत, असम आगे के विकास के लिए तैयार है।

वित्त मंत्री अजंता नियोग द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए असम बजट मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। उनके मार्गदर्शन में, राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों की जरूरतों को पूरा करके समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। इसकी आर्थिक वृद्धि और वित्तीय विवेक हैं:

बजट में कुल 2.63 लाख करोड़ रुपये के व्यय का उल्लेख किया गया है, जो संतुलित विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। विशेष रूप से, असम के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (ॠउद्ध) में 2015-16 में 2,27,959 करोड़ रुपए से उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और यह वर्ष 2024-25 में 6,43,667 करोड़ रुपए हो गई है। यह प्रभावशाली विकास प्रक्षेपवक्र प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि से पूरित है, जो इसी अवधि में 60817 रुपये से बढ़कर 154222 रुपया हो गया। डॉ. शर्मा के नेतृत्व में इस तरह के आंकड़े राज्य की आर्थिक नीतियों की प्रभावशीलता को दशार्ते हैं। बजट का उद्देश्य महिलाओं और हाशिए के समुदायों को सशक्त बनाना है:

बजट 2025-26 की आधारशिला में से एक महिला सशक्तिकरण और हाशिए के समुदायों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करना है। मुख्यमंत्री महिला उद्योग अभियान के शुभारंभ का उद्देश्य महिला उद्यमियों को ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करना, वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ाना और महिलाओं के बीच उद्यमशीलता के उद्यमों को प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, बजट में चाय बागान श्रमिकों के लिए वित्तीय सहायता और बेहतर स्वास्थ्य सेवा का प्रस्ताव है, जो इन समुदायों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। एक अन्य उद्देश्य बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाना है:

औद्योगिक पार्क और बिजली संयंत्र स्थापित करने की योजना के साथ बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर बहुत ध्यान दिया गया है। इन उपायों को निवेश आकषत करने, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा रोजगार अवसरों के सृजन के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, प्रस्तावित भूटान-बोडोलैंड-बे ऑफ बांगो कॉरिडोर का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी को बढ़ाना है, जिससे असम को इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

यह बजट पर्यावरणीय स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा लाएगा:

वैश्विक स्थिरता लक्ष्य के अनुरूप, बजट सौर ऊर्जा की स्थापना के लिए सब्सिडी की पेशकश करके अक्षय ऊर्जा को अपनाने पर केंद्रित है। यह कदम न केवल सतत विकास के लिए राज्य के दृष्टिकोण के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है बल्कि उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा व्यय को भी कम करता है। बजट में एक अन्य उद्देश्य मध्यम वर्ग को कर सुधार और राहत प्रदान करना है:

बजट में मध्यम आय वाले जनसांख्यिकी को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कर छूट पेश की गई है। कर के बोझ को कम करके, सरकार डिस्पोजेबल आय में वृद्धि करना चाहती है, जिससे खपत और आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित किया जा सके। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 2021 में पदभार संभालने के बाद से असम की प्रगति के प्रति अपना अटूट समर्पण दिखाया है। उनका कार्यकाल रणनीतिक उपायों द्वारा चिह्नित है जो विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के विकास का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में, असम ने ढांचागत सुधार, शैक्षिक सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सेवा देखी है, जिसने बदले में अपने नागरिकों के समग्र कल्याण में योगदान दिया है। 2025-26 के लिए असम बजट शासन के लिए एक व्यापक और दूरंदेशी दृष्टिकोण को दशार्ता है। आर्थिक विकास, सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचे और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करते हुए, बजट असम के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखता है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का दूरदर्शी नेतृत्व राज्य को समावेशी और सतत विकास के रास्ते पर ले जा रहा है, जिससे इसके सभी निवासियों के लिए समृद्धि सुनिश्चित हो सके। अंत में, राज्य सचिव भबेंद्र दास ने डॉ हिमंत बिस्वा सरमा और भाजपा के नेतृत्व में असम के सुनहरे भविष्य के बारे में बात की और कहा कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा के गतिशील नेतृत्व में, असम 2021 से 2026 तक एक बड़े परिवर्तन से गुजर रहा है। इन बजटों ने नौजवानों और महिलाओं से लेकर किसानों और उद्योगपतियों तक समाज के हर वर्ग को मजबूत किया है। अद्वितीय बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन और डिजिटल शासन ने असम को देश में प्रगति का एक चमकदार उदाहरण बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि असम चमक रहा है, आत्मनिर्भर है और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहा है। भबेंद्र दास ने कहा कि, इस तरह के ऐतिहासिक सुधारों और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ, असम 2030 तक भारत के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनने की राह पर है।

पेज एक का शेष...

सीएम योगी ने भाजपा के नवनियुक्त जिला व महानगर अध्यक्षों को दी बधाई, दिया संदेश

इसके जरिये सपा के पीडीए फॉमूर्ले को मात देने की कोशिश की गई है।

यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में आठ सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज करने के बाद पार्टी की नजर अब 2027 के विधानसभा चुनाव पर है। सूची के जरिये पार्टी ने जातीय समीकरण साधने की कोशिश शुरू कर दी है।

भारत पहुंचे न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन

लक्सन का यह पहला भारत दौरा है। उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी है, जो न्यूजीलैंड के किसी भी प्रधानमंत्री के साथ अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल है। उनकी कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होनी है।

पिछले हफ्ते लक्सन ने कहा था, मैं चाहता हूं कि भारत के साथ एक व्यापक आर्थिक साझेदारी हो। हम इस पर चर्चा करेंगे कि यह आगे कैसे बढ़ सकती है। हम भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को और बड़े स्तर पर ले जाना चाहते हैं। लक्सन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को महत्वपूर्ण ताकत बताया था। उन्होंने कहा था, भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शक्ति है और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस पर चर्चा करूंगा कि हम अपने क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बनाए रखने के लिए मिलकर क्या कर सकते हैं।

रायसीना डायलॉग के उद्घाटन सत्र में होंगे मुख्य अतिथि- विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया था कि पीएम मोदी और उनके न्यूजीलैंड के समकक्ष की मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी।

इसके अलावा वह 17 मार्च को ही नई दिल्ली में होने वाले 10वें रायसीना डायलॉग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा जिसमें मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, कारोबारी दिग्गज, मीडिया और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। पीएम मोदी अतिथि के सम्मान में दोपहर भोज आयोजित करेंगे। लक्सन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। लक्सन 19-20 मार्च को मुंबई भी जाएंगे और फिर वेलिंगटन लौटेंगे।

आरएसएस को समझना आसान नहीं, इसके कामकाज को समझना होगा:पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि जब भी हम शांति की बात करते हैं, तो दुनिया हमारी बात सुनती है क्योंकि भारत गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी की भूमि है।

मेरी ताकत मेरे नाम में नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीयों में है- पीएम

लेक्स फ्रिडमैन पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं विश्व नेताओं से हाथ मिलाता हूं, तो ऐसा मोदी नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीय करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी ताकत मेरे नाम में नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीयों और देश की कालातीत संस्कृति और विरासत के समर्थन में निहित है।

भारत के इतिहास सहित कई विषयों पर घंटों तक हुई चर्चा

गौरतलब है कि फ्रिडमैन पिछले महीने पीएम मोदी का साक्षात्कार लेने के लिए भारत आए थे। अपनी यात्रा से पहले उन्होंने भारत के इतिहास सहित कई विषयों पर घंटों पीएम मोदी के साथ बातचीत करने की खुशी और उत्सुकता व्यक्त की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पीएम मोदी उनके अब तक पढ़े गए सबसे आकर्षक इंसानों में से एक हैं।

ट्रेन हाईजैक के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बल को ले जा रही बस में विस्फोट, पांच अधिकारियों की मौत

पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी सेना की बसें सुरक्षा बलों को लेकर जा रही थीं। स्थानीय पुलिस प्रमुख जफर जमानानी ने बताया कि बलूचिस्तान के नौशकी जिले में नौशकी-दलबंदिन राजमार्ग पर एक बस के पास सड़क किनारे बम विस्फोट हुआ। विस्फोट से पास की एक दूसरी बस भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मृतकों और घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने हमले की निंदा की। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना एक क्रूर कृत्य है। रिंद ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। रिंद ने कहा कि शत्रु तत्व देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। आतंक के जरिये लोगों का मनोबल नहीं गिराया जा सकता। हम दुख की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं।

ट्रेन कर ली गई थी हाईजैक-मंगलवार को क्वेटा से पेशावर के लिए रवाना हुई जफर एक्सप्रेस को विद्रोहियों ने गुडलार और पीरू कुनरी की पहाड़ी इलाकों के पास एक सुरंग में बंधक बना लिया था। विद्रोहियों ने पटरी को उड़ा दिया और ट्रेन के रुकते ही उस पर कब्जा जमा लिया था। नौ डिब्बों की ट्रेन में 400 से अधिक यात्री सवार थे। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी ली थी और 214 यात्रियों को बंधक बनाने का दावा किया था। विद्रोहियों ने जब ट्रेन पर हमला किया था तब 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी। जवाब में सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर सभी 33 हमलावरों को मार गिराया था।

धरती से आए साथियों को देख खुशी से झूम उठीं सुनीता

विल्मोर और विलियम्स बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल से पांच जून को केप कैनवेरल से रवाना हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुए अंतरिक्ष यात्रियों के नए दल में नासा से ऐनी मैक्लेन और निकोल एयर्स शामिल हैं। वे दोनों सैन्य पायलट हैं। इनके अलावा जापान के ताकुया ओनिशी और रूस के किरिल पेस्कोव भी रवाना हुए हैं और दोनों विमानन कंपनियों के पूर्व पायलट हैं। ये चारों लोग विल्मोर और विलियम्स के धरती के लिए रवाना होने के बाद अगले छह महीने अंतरिक्ष स्टेशन में बिताएंगे, जिसे सामान्य अवधि माना जाता है।

जल्द धरती पर वापस आएंगी सुनीता- सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर आने वाले कुछ दिनों तक नए अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देंगे। संभावना है कि इस सप्ताह के अंत तक वे स्पेसएक्स कैप्सूल के माध्यम से पृथ्वी की ओर लौटेंगे। नासा के अनुसार, यदि मौसम अनुकूल रहता है, तो स्पेसएक्स कैप्सूल बुधवार से पहले अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होकर फ्लोरिडा के तट पर लैंड करेगा।

विल्मोर ने रविवार को अंतरिक्ष स्टेशन का ह्यहैचह्न खोला और इसके बाद एक के बाद एक चारों नए यात्री अंदर आए। अंतरिक्ष में पहले से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने अपने नए साथियों का स्वागत उनसे गले मिलकर और हाथ मिलाकर किया। विलियम्स ने ह्यमिशन कंट्रोलह्न से कहा, "यह एक शानदार दिन था। अपने दोस्तों को यहां देखकर बहुत खुशी हुई।

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंतमान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा, 'मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की।'

केजरीवाल ने इस दौरान नशा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।'

आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।

आप प्रमुख से पहले भगवंत मान ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। हम पंजाबियों से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे। हम पंजाब से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए जारी लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। पंजाब के तीन करोड़ लोगों को आपके समर्थन और उन पर विश्वास के लिए धन्यवाद।'

तेजप्रताप मामले पर जीतन राम मांझी ने किया लालू राज को याद

यदि उनके हाथ में बिहार की सत्ता किसी तरह से चला जाए, लेकिन हमें तो उम्मीद नहीं है। यहां के अधिकारियों और पुलिस को अपने ढंग से यूज करेंगे। नहीं तो सस्पेंड करने की बात होगी या और कुछ करेंगे।

जीतन राम मांझी ने कहा कि 2005 के पहले देखा गया है। फिर उन लोग यही सोच रहे हैं एक बार मौका मिले। बिहार की जनता इतना सजग हो गई है कि उन लोगों को मौका देने के स्थिति में नहीं है। इधर, नीतीश कुमार लगातार प्रगति यात्रा के माध्यम से विभिन्न जिलों में भ्रमण किया। भ्रमण ही नहीं विकास कार्यों की घोषणाएं किया। आज सभी विकास योजनाओं को कैबिनेट से स्वीकृति हो गयी है। जो उन्होंने विकास कार्य की घोषणा की आज उन सभी पर अमल हो रहा है। एक तरह विकास की और नीतीश कुमार बढ़ रहे हैं। दूसरी तरह वह वह चाह रहे हैं, किसी तरह बिहार की राजनीति में घुसकर गद्दी प्राप्त करें। इसी तरह से खाकी वर्दी को अधिकारियों के साथ व्यवहार करें।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि एक समय ऐसा भी आया था कि उनके पिता श्री ने कहा था ऐसा काम करो नहीं तो पंखा में लटका देंगे। डेमोक्रेसी में ऐसा कोई जगह नहीं है। उन लोग इसी तरह के लिए बने हैं। इसलिए बिहार की जनता सजग है, किसी भी परिस्थिति में सत्ता हासिल नहीं करने देंगे।

विषयों की आजादी और स्कूलों को मिली छूट, यहां देखें सीबीएसई की मुख्य घोषणाए

अब तक, जो व्यक्ति विकलांग छात्रों की परीक्षा में लिखने में सहायता करते थे, उन्हें कोई औपचारिक मान्यता नहीं दी जाती थी। इस फैसले के बाद, स्क्राइब्स को प्रमाण पत्र मिलेगा, जिससे भविष्य में वे इसे अपने करियर में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह कदम न केवल विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को सहायता देने के लिए एक प्रेरणा है, बल्कि समाज में समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास भी है।

सीबीएसई ने कक्षा 10वीं की परीक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए यह फैसला लिया है कि अब छात्र साल में दो बार परीक्षा दे सकेंगे। इसका मतलब यह है कि यदि कोई छात्र पहली परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त नहीं कर पाता है, तो उसे दूसरी बार परीक्षा देने का मौका मिलेगा, जिससे वह अपने अंकों में सुधार कर सके। यह निर्णय छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम करेगा और उन्हें अपनी तैयारी को बेहतर बनाने के लिए एक और अवसर प्रदान करेगा। विस्तृत विवरण यहां पढ़ें..

सीबीएसई ने स्कूल संबद्धता नियमों में छूट देते हुए यह घोषणा की है कि अब स्कूल अपनी नई शाखाएं खोल सकते हैं। पहले, नए स्कूल खोलने और मौजूदा स्कूलों की शाखाएं खोलने के लिए सख्त नियम थे, जिनमें काफी जटिलताएं थीं। इस फैसले से शिक्षा का विस्तार होगा और देश के अलग-अलग हिस्सों में ज्यादा स्कूल खुल सकेंगे, जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अधिक अवसर मिलेगा। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच आसान होगी। विस्तृत विवरण यहां पढ़ें..

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (उइरए) ने शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला और छात्र हितैषी बनाने के लिए एक और बड़ा बदलाव यह भी किया है कि अब कक्षा 10वीं के छात्र साल में दूसरी बार परीक्षा देते समय अपनी पसंद से विषयों का चयन कर सकेंगे। इससे परीक्षाओं की अवधि कम हो जाएगी। इस मसौदे की मुख्य विशेषता परीक्षा की वर्तमान योजना को जारी रखना है।

ओसियन वाटर पार्क के होली मिलन समारोह में पहुँचे केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। गौरीपुर मीतली स्थित ओसियन वाटर पार्क में होली मिलन व सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

समारोह में भारत सरकार के केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने मुख्य अतिथि व उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री चौधरी साहब सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में आमंत्रित सभी अतिथियों का तिलक कर, पटका व माला पहनाकर और प्रतीक चिन्ह देकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर गौरीपुर मीतली के होनहार बच्चों को सम्मानित किया

गया। केन्द्रीय मंत्री रामदास अठावले ने इस अवसर पर होली की महत्ता पर प्रकाश डाला और होली मिलन व सम्मान समारोह के शानदार आयोजन के लिए क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी ठाकुर सचिन सिंह की जमकर प्रशंसा की। समारोह में एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। समारोह में कवि डा आरपी शर्मा ने एक से बढ़कर एक कविता सुनाकर श्रोताओं की जमकर तालियां बटोरी। ठाकुर सचिन सिंह ने समारोह में आने वाले सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट सुदेश चौहान ने की तथा संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य मास्टर रमेश कुशवाह ने किया। इस मौके पर आयोजनकर्ता ठाकुर सचिन सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री चौधरी साहब सिंह, जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल, जिला जाट सभा बागपत के अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, अरुण प्रधान गोरीपुर मितली, रामपाल पवार, एडवोकेट मनोज आर्य, राजेश चौहान, ठाकुर नरेश राणा, संजय प्रधान मितली, सुधीर ठाकुर, सुनील मेवला, प्रयाग राणा सहित सैंकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मनोरमा श्रोती को किया नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। हर्बल न्यूट्रिशन योगा ट्रेनर एवं सुप्रसिद्ध समाज सेविका मनोरमा श्रोती को नीरा अमृत सम्मान से सम्मानित किया गया। इसको लेकर उन्होंने नीरा अमृत के परिवार का आभार व्यक्त किया है।

नीरा अमृत सम्मान समाज में अच्छा कार्य करने वाले लोगों, विशेष प्रतिभाओं, खेल-खिलाड़ियो तथा मेधावी छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए दिया जाता है, ताकि अन्य लोग भी उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर देश व समाज के लिए रचनात्मक कार्य कर सके। मनोरमा श्रोती को यह सम्मान नीरा अमृत के परिवार की तरफ से उनके प्रतिनिधि के

रूप में सोशल वर्कर विपुल जैन ने प्रदान किया।

श्रोती अपने हर्बल न्यूट्रिशन प्रोडक्ट व योग के माध्यम से लोगों का वजन कम करने का कार्य कर रही है, जिसके कई अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं और लोग लाइलाज बीमारियों से मुक्त भी हुए हैं। मनोरमा श्रोती का कहना है कि लोगों का वजन बढ़ना ही बीमारियों को जन्म देना है। जब तक लोग अपना वजन कम नहीं करेंगे तब तक कोई ना कोई बीमारियां उन्हें घेरे रहेंगी, इसलिए सभी लोगों को नियमित योग करना चाहिए और खाने-पीने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, दही व फल का इस्तेमाल करना चाहिए।

श्री वैष्णो देवी बुआ दाती संकीर्तन मंडल द्वारा हरी मंदिर में होली महोत्सव मनाया

एनपीटी ब्यूरो

बरेली,श्री वैष्णोदेवी बुआ दाती संकीर्तन मंडल द्वारा श्री हरि मंदिर में होली उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। गोलोकवासी परम पूज्य गुरुदेव श्री रामनाथ जी अरोड़ा का स्मरण करते हुए ₹मैने मोहन की बुलाया है वो आता होगा₹ भजन से ठाकुर को बुलाया गया और उनके नैनन से नैना मिलाते हुए भव्य रंगोत्सव मनाया गया । सभी भक्तों ने होली भजनों पर बरसते रंगों का नृत्य करते हुए आनन्द लिया । श्री हरि मंदिर कमेटी ने होली महोत्सव की भव्य तैयारियां की हुई थी । भजन गायक जगदीश भाटिया ने ठाकुर की होली का आश्रय लेते हुए ₹फूलों में महक तुमसे तारों में चमक तुमसे₹ का सुन्दर भाव प्रस्तुत किया । कार्यक्रम उपरांत प्रसाद स्वरूप ठंडाई, दही गुजिया आदि का वितरण किया गया कार्यक्रम के अंत में मंदिर कमेटी के रवि छाबड़ा ने सभी संगत का आभार व्यक्त किया।

पर्वतीय समाज के होली मिलन समारोह में रही पर्वतीय संस्कृति की धूम

एनपीटी ब्यूरो

बरेली, पर्वतीय समाज रजिस्टर्ड बरेली द्वारा आज कुर्मांचल नगर भोलेनाथ मंदिर परिसर में धूमधाम से भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किया गया।समारोह का विधिवत शुभारंभ विशिष्ठ अतिथि एयर मार्शल डॉ.महेन्द्र सिंह बुटोला ने किया।उन्होंने इस अवसर पर पर्वतीय समाज द्वारा समय समय पर होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों की सराहना की।मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार जी रहे।आपने कहा कि इन सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में एकजुटता बनी रहती है साथ ही नई पीढ़ी का भी अपनी संस्कृति से साक्षात्कार होता है।समारोह में पर्वतीय क्षेत्र की प्रसिद्ध क्लासिकल बैठ होली तथा पुरुषों की खड़ी होली,महिलाओं द्वारा होली व नृत्य का उत्कृष्ट प्रस्तुती करण किया गया।

इस के अतिरिक्त उत्तराखंड के प्रसिद्ध गीतों पर स्थानीय बच्चों द्वारा मनभावन नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति की गयी।होली के गीतों पर दर्शक भावविभोर होकर झूम कर नाचे।कार्य क्रम में अध्यक्ष गिरीश चन्द्र पाण्डेय,उपाध्यक्ष मदन सिंह बिष्ट,महासचिव डॉ.नरेन्द्र सिंह बिष्ट,वरिष्ठ सचिव चन्द्र प्रकाश जोशी,कोषाध्यक्ष इन्द्र सिंह बिष्ट,सहायक कोषाध्यक्ष जगदीश बिष्ट,सलाहकार कुंवर सिंह बिष्ट, सांस्कृतिक सचिव पूरन सिंह दानू एवं सोमा परिहार,सचिव बालम सिंह मेहरा,मीडिया प्रभारी देवेन्द्र रावत,उपाध्यक्ष मदन सिंह बिष्ट,दीपक धोनी,उमेश बिनवाल,तारा दत्त जोशी,गोधन सिंह बिष्ट,संजय सिंह परमार,संरक्षक कैप्टन मोहन सिंह,डॉ. मान सिंह नेगी, आदि का बिशेष सहयोग रहा

बरेली में पुलिस की होली: एसएसपी अनुराग आर्य के डांस ने बनाया माहौल अफसरों संग पुलिसकर्मियों ने जमकर खेली होली.

एनपीटी ब्यूरो

बरेली में इस बार पुलिस की होली बेहद खास रही। जहां आम जनता रंगों के त्योहार का आनंद ले रही थी, वहीं पुलिसकर्मियों ने भी होली का जबरदस्त जश्न मनाया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने अपने शानदार डांस और गानों के अंदाज से ऐसा माहौल बनाया कि पूरा पुलिस लाइन झूम उठा। शुक्रवार को राम बारात, होली और जुमे की नमाज के शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद शनिवार को पुलिस लाइन में होली का जबरदस्त धमाल हुआ।

सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रहे एसएसपी अनुराग आर्य, जिन्होंने सिर पर हैट लगाकर जब तेरी आंख्या का यो काजल गाने पर डांस किया तो पूरा माहौल रंगीन हो गया। उनके साथ एसपी सिटी मानुष पारीक और एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा भी जमकर थिरके।

13 और 14 मार्च को होली के अवसर पर सुरक्षा में मुस्तैद रहने के बाद पुलिसकर्मियों ने अगले दिन जमकर मस्ती की। पुलिस लाइन में होली के दौरान जमकर रंग उड़ाए गए, गुलाल उड़ाया गया और डीजे की धुनों पर पुलिसकर्मियों ने खूब डांस किया।

पुलिस लाइन में धमाल मचाने के बाद एसएसपी और अन्य अधिकारी बस में सवार होकर डीएम और आईजी के आवास पर पहुंचे। वहां जाकर भी उन्होंने अलग ही अंदाज में होली का न्योता दिया।

एसएसपी अनुराग आर्य ने जब मेरा महबूब आया है गाना गाया, तो माहौल और भी खुशनुमा हो गया। रंगों से बचने के लिए जब अफसर अंदर छिपने लगे, तो एसएसपी और एसपी सिटी ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर तानाशाही नहीं चलेगी जैसे नारे लगाने शुरू कर दिए।

यह नजारा देखते ही अफसर बाहर निकल आए और फिर जमकर होली खेली गई। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और शुभकामनाएं दीं।

पुलिस की यह होली एक यादगार पल बन गई, जिसमें फर्ज और फेस्टिवल दोनों का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला। एसएसपी, एसपी और अन्य अधिकारियों की भागीदारी ने इसे और खास बना दिया।

सोमपाल शर्मा बने भाजपा जिलाध्यक्ष आंवला और महानगर में बदलाव नहीं

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। भाजपा के संगठनात्मक जिला बरेली, आंवला के जिलाध्यक्ष और महानगर के अध्यक्ष की घोषणा का इंतजार आखिरकार समाप्त हो गया। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर रविवार को स्मार्ट सिटी के ऑडिटोरियम में जिलाध्यक्षों की घोषणा जिले के पर्यवेक्षक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने की। जीआईसी ऑडिटोरियम में उन्होंने बरेली जिलाध्यक्ष के तौर पर सोमपाल शर्मा के नाम की घोषणा की। वहीं अधीर सक्सेना को दोबारा महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। उधर आदेश प्रताप सिंह को दोबारा आंवला जिलाध्यक्ष बनाया गया है। बरेली भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए 27 और महानगर अध्यक्ष पद के लिए 40 लोगों ने आवेदन किया था। आवला जिलाध्यक्ष पद के लिए 22 आवेदन मिले थे। इस दौरान मंच पर वनमंत्री डॉ अरुण कुमार, गन्ना मंत्री संजय कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, महापौर डॉ. उमेश गौतम समेत जिलेभर के जनप्रतिनिधि और नेता मौजूद रहे। पहले से थे ये कयास

कई महीने से भाजपा नेताओं के बीच चर्चा बनी थी कि आंवला और महानगर के अध्यक्षों के नाम में कोई बदलाव नहीं। रविवार दोपह जब नामों की घोषणा हुई तो तमाम कयास सही साबित हुए। निवर्तमान बरेली जिलाध्यक्ष पवन शर्मा को छोड़कर आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह और महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना को उनके पद पर बरकार रखा गया।

होली पर परिवहन निगम पर बरसा धन 7 दिन दिन में कमाए 5.92 करोड़

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। परिवहन निगम की होली बढ़िया रही। मुख्यालय के निर्देश पर 8 मार्च से दिल्ली समेत कई लंबे रूटों पर फेरे बढ़ाने से निगम ने सप्ताह भर में ही 5.92 करोड़ रुपये की कमाई की है। बसों का विशेष संचालन अभी 18 मार्च तक जारी रहेगा।

होली की वजह से बरेली परिक्षेत्र से लखनऊ, दिल्ली, हरिद्वार देहरादून, जयपुर समेत कई मार्गों पर रोज 581

बसें चलाई जा रही हैं। इनमें कई रूटों पर फेरे भी बढ़ाए गए हैं। अफसरों के मुताबिक इन बसों में सप्ताह भर में करीब 40 लाख यात्रियों ने सफर किया है जिससे परिवहन निगम की आय में काफी इजाफा हुआ है। क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने बताया कि पर्याप्त यात्री मिलने से रोडवेज की आय बढ़ी है।

सात दिन में ही रीजन ने 5.92 करोड़ से अधिक की कमाई की है। पिछले वर्ष होली के सात दिनों में करीब पांच करोड़ की ही आय हुई थी। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार भी आय बढ़ाने में बरेली डिपो का सबसे बड़ा हिस्सा रहा है। शेष चार दिनों में बरेली परिक्षेत्र की आय सात करोड़ तक पहुंच सकती है।

प्रचंड गर्मी से निपटने की तैयारी शुरू...11 विभागों से मांगी कार्य योजना

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। इस बार प्रचंड गर्मी बर्दाश्त करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी अलर्ट के मुताबिक मार्च से ही हीट वेव (लू) शुरू हो जाएगी जो अक्टूबर तक जारी रहेगी। इस बीच तापमान 45 से 47 डिग्री सेल्सियस तक रहने के आसार हैं। प्रशासनिक स्तर पर लोगों को हीट वेव से बचाने के लिए अभी से तैयारी शुरू हो गई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 11 विभागों से हीट वेव से बचाव के लिए बिंदुवार कार्ययोजना मांगी है।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हीटवेव के तीन चरण निर्धारित किए हैं। मार्च में पहला चरण है, दूसरा चरण अप्रैल से जुलाई और तीसरा अगस्त से अक्टूबर तक रहेगा। इस दौरान सबसे ज्यादा जोर बिजली और स्वास्थ्य सेवाएं

दुरुस्त रखने पर दिया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष डीएम रविंद्र कुमार ने इस बारे में 11 विभागों के विभागाध्यक्षों को कार्ययोजना बनाकर उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं। कुछ विभागों ने अपनी कार्ययोजना जिला आपदा विशेषज्ञ कुंवर शुभ अक्षत को भेज दी है।

कार्ययोजना के क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी भी नामित किए गए हैं। जनपद स्तर पर एडीएम फाइनेंस और सीएमओं को नोडल अधिकारी बनाया गया है। तहसील स्तर पर सभी एसडीएम और ब्लॉक स्तर पर सभी बीडीओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

परिवहन निगम

परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को बस अड्डों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य टीमों की तैनाती के साथ प्राथमिक चिकित्सा, पीने के पानी और यात्रियों के लू से बचाव की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरे प्रदेश में हुई हल्की बूंदाबांदी से गिरा पारा, बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाएं बदलेंगी मौसम

लखनऊ। यूपी के मौसम ने एक बार फिर से बदलाव लिया है। दो से तीन दिन बहुत तेज धूप होने के बाद रविवार को पूरे प्रदेश में हल्के बादल छाए रहे। कई जिलों में हल्की बारिश भी हुई।

मार्च के पहले पखवाड़े में अप्रत्याशित गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। दूसरे पखवाड़े के पहले दिन रविवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हुई बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से अगले दो दिन तक पारे में हल्की गिरावट आने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 17 से 20 मार्च तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी से चली पूर्वा हवा फिर से मौसम में बदलाव लाएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 21 व 22 मार्च को नमी युक्त पुरवाई के असर से उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्वी इलाकों सोनभद्र, मिजार्पुर, बलिया व वाराणसी आदि में बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। 24 मार्च से फिर से तापमान बढ़ना शुरू होगा। मार्च के आखिर में प्रदेश मेंलू जैसी परिस्थितियां बनने का

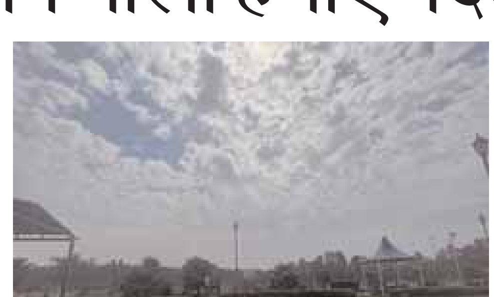

पूवार्नुमान है।

मौसम के बदले मिजाज ने बढ़ाई किसानों की परेशानी

अमेठी में रविवार सुबह अचानक मौसम का मिजाज बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। दिन भर बादल की लुकाछुपी चलती रही। बदलते मौसम को देख किसानों के मांथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई है। यदि तेज बारिश हुई तो तिलहनी फसल चौपट होने का डर है। वहीं जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, संग्रामपुर, गौरीगंज आदि में हल्की बारिश हुई।

जिले में दलहन-तिलहन फसलों के साथ गेंहू की फसल भी पककर तैयार होने की कगार पर है। खेतों में सरसों, अलसी, मटर, चना, धनिया, मेथी आदि फसल पक कर तैयार हो गई है। कुछ किसान उक्त फसलों की कटाई कर लिए हैं, तो कुछ काटकर खेत व खलिहान में रख लिए हैं। वहीं, जौ व गेहूं की फसल भी तकरीबन तैयार है। बागों में लगे आम के पेड़ बौर से लदे हैं। ऐसे में बेमौसम बारिश फसलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा सकती है।

रविवार भोर बूंदाबांदी देख किसान परेशान हो उठे। किसान खेत व खलिहान में रखी सरसों, मटर आदि की फसल को छायादार स्थान पर सुरक्षित करने की कवायद में जुट गए। अमेठी, जगदीशपुर, मुसाफिरखाना, गौरीगंज सहित अन्य स्थानों में बूंदाबांदी का असर रहा। किसानों का कहना है कि अगर तेज बारिश हुई तो सरसों, मटर आदि फसलों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचेगा। वहीं, बारिश के साथ तेज हवा चली तो गेंहू और अरहर की फसल को भी नुकसान पहुंच सकता है।

संपादकीय

फ्री के चक्कर में फंसी सरकारें

विडंबना और दुर्भाग्य है कि हमें मुफ्तखोरी के चुनावी वायदों और उनमें फंसी विभिन्न राज्यों की ही नहीं, बल्कि देश की बदहाल होती अर्थव्यवस्था का विश्लेषण करना पड़ रहा है। होली का मौका है। रंगों और उल्लास के इस पर्व पर खुद प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर मुहैया कराने का चुनावी वायदा किया था। होली के साथ-साथ दीपावली का भी वायदा किया गया था। देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा सरकार की यह पहली होली है, लेकिन यह आलेख लिखने तक सरकार ने कुछ भी नहीं कहा है। मुफ्त सिलेंडर मुहैया कराने के मुद्दे पर सभी खामोश हैं। दिल्ली एक अर्द्धराज्य है। केंद्र की उज्ज्वला गैस योजना के लाभार्थी करीब 2.5 लाख हैं। दिल्ली में गैर सबसिडी वाले सिलेंडर की कीमत 803 रुपए है। इस अर्द्धराज्य की औसत प्रति व्यक्ति आय 4.60 लाख रुपए से अधिक है। अनुमान है कि यदि मुफ्त सिलेंडर बांटे जाएं, तो 30 करोड़ रुपए के करीब खर्च होगा। यह पहली बार होगा कि जब 24-25 मार्च को विधानसभा में बजट पेश किया जाएगा, तो वह घाटे का बजट होगा। सवाल यह है कि दिल्लीवालों को मुफ्त गैस सिलेंडर क्यों दिया जाए? उन्हें कुछ भी मुफ्त क्यों दिया जाए, यहां तक कि 2500 रुपए भी क्यों दिए जाएं? यह चुनावी वायदा ही एक किस्म की घूस है। राजनीतिक दल देश की अर्थव्यवस्था को दिवालियापन की ओर धकेलने की साजिश में संलिप्त हैं।

उनके खिलाफ आपराधिक केस दर्ज किए जाने चाहिए। ऐसा नहीं है कि सरकारों के पास प्रख्यात अर्थशास्त्री नहीं हैं अथवा सरकारों ने अर्थव्यवस्था के ऐसे मॉडल पर उनके परामर्श ही नहीं लिए। दरअसल यह पूरी रणनीति झूठ बोल कर, लालच परोस कर, खोखले वायदों पर आकर्षित कर चुनाव जीतने की है। उसके बाद बिन जवाबदेही की पांच साला सत्ता है। कमोबेश देश के मतदाताओं को यह शातिर रणनीति अब समझनी चाहिए। दिल्ली ही नहीं, उप्र में भी मुफ्त सिलेंडर का वायदा किया गया था। उसके लिए 1890 करोड़ रुपए की सबसिडी का कोष तय किया गया है। उप्र सरकार जनता को यह भी बता दे कि उस पर 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। महाराष्ट्र में लाडकी बहीण योजना पर भाजपा-महायुति को प्रचंड बहुमत मिला था, जबकि ऐसे आसार नहीं थे। अब बजट पेश किया गया है, तो इस योजना का फंड 10,000 करोड़ रुपए घटाना पड़ा है। लाभार्थी करीब 2.5 करोड़ महिलाएं थीं। वह संख्या भी घटा कर 1.5 करोड़ करनी पड़ी है। महाराष्ट्र पर 9.3 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। कुछ और बड़ी तथा महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी 10-13 फीसदी खर्च कम करना पड़ा है। तेलंगाना का उदाहरण अजीब है। वहां फरवरी, 2025 में ही महिलाओं को 2500 रुपए देने की घोषणा की गई और मार्च में ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी प्रलाप कर रहे हैं कि राज्य के पास पैसा ही नहीं है। विकास कार्यों के लिए सिर्फ 5000 करोड़ रुपए सरकार के पास शेष हैं, लिहाजा इस मुद्दे पर राष्ट्रीय बहस होनी चाहिए। यह किसी अकेले के बूते की समस्या नहीं है। बहरहाल, भारत की सकल अर्थव्यवस्था के लिए ये शुभ संकेत नहीं हैं।

हेडफोन-गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये-नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता-पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये-नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दशार्ता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित-नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल-लेपटॉप-ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह-तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज आवाज से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिकायत बुजुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर-शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है।

इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना- ये दोनों ही जीवन-विकास एवं ज्ञान-वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण-पथ से ही हम ज्ञान के साथ-साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण-पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

नशे में लड़खड़ाती नई पीढ़ी, होली में दुगनी हुई नशीले पदार्थों की खपत

देश में इस बार होली के अवसर पर कई गुना लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है इस बार होली में लगा कि पूरा युवा वर्ग नशे में लड़खड़ा कर डोल रहा है। होली के अवसर पर युवा बुजुर्ग यहां तक छोटे-छोटे जवान होते बच्चे भी नशे का शिकार हो चुके हैं और होली में शराब गांजा भांग ड्रग्स जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों को लेने का जन्म सिद्ध अधिकार समझ उसका भयानक तरीके से सेवन करने लगे हैं' नशीले पदार्थों की इस बार खपत पिछली बार की तुलना में लगभग दुगनी हो गई है। नशीले पदार्थों से हुई अपराधिक गतिविधियों में हुई तेजी शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है दूसरी तरफ दिल्ली,बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की हैंवर्तमान में

शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ-साथ सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों मैं सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट गए है और शासन तथा पुलिस प्रशासन अपना पूरा ध्यान सूखे नसे को प्रतिबंधित करने में लगे हुए हैं, मूलतः मुंबई गोवा और पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिऐ मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए और तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की जाने लगी और इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है, नए वर्ष के आगमन की सेलिब्रेशन तमाम नशीले पदार्थ की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट गए हैं देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देशन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग बच्चों को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े-बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके ,शराब से तो अपराध होते ही हैं पर सूखे नशे से अपराधिक ज्यादा उग्र हिंसक और मस्तिष्क शुन्य हो जाते ऐसे में अपराध करने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, और इस तरह वे नशे में अपराधिक कृत्य करने से नहीं चूकते`केंद्र तथा राज्य प्रशासन की चिंता इस बात के लिए तो है ही कि इससे अपराध की संख्या में काफी वृद्धि हुई है पर साथ में इसके तस्करों द्वारा की जा रही ड्रग्स की तस्करी पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई हैअंतरराष्ट्रीय सीमा से आने वाला ड्रग्स शारीरिक रूप से भी काफी नुकसानदेह होता है अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने का एक राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाकर उसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जितने व्यक्ति नशा करके अपराध करने के लिए दोषी हैं`उससे ज्यादा दोषी नशीले पदार्थों के तस्करी करने वाले भी है, तस्कर समूह को चिन्हित कर उस पर बड़ी कार्रवाई करने की देश को गंभीर आवश्यकता है, देश में शराब जहां ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बुराई है उससे ग्रामीण आमजन को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ शारीरिक नुकसान भी बहुत बड़ा होता है, इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में खासकर बड़े शहरों में सुखा नशा एक बडी सामाजिक बीमारी की तरह अत्यंत गंभीर चुनौती बन गई है, इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए तभी इस सामाजिक गंभीर समस्या पर कुछ राहत और निदान मिल सकता है

भाजपा जिलाध्यक्षों का एलान: 45 नए... तो 25 पुराने चेहरों को मिला मौका, विवाद के चलते रोकी गई 28 जिलों की सूची

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय ने बताया कि प्रदेश के 70 जिलों में जिला चुनाव अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी और सरकार के मंत्रियों ने संबंधित जिलों में जिलाध्यक्ष की घोषणा की। जिलाध्यक्षों के चयन में सबका साथ-सबका विकास की परिभाषा को साकार करते हुए सामाजिक समीकरणों का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

उत्तर प्रदेश में करीब दो महीने की माथापच्ची के बाद प्रदेश भाजपा ने पहले चरण में 98 में से 70 जिला इकाईयों के जिला और महानगर अध्यक्षों के नाम रविवार को घोषित कर दिए हैं। इनमें 45 जिलों में नए चेहरे को मौका दिया गया है, जबकि 25 जिलों में मौजूदा जिलाध्यक्षों को ही दोबारा मौका दिया गया है। पहली सूची में 27 ओबीसी वर्ग से, अनुसूचित जाति (एसी) वर्ग से छह और सामान्य वर्ग से 37 लोगों को जिलाध्यक्ष बनाया है।

पहले चरण की सूची में पार्टी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग व सामान्य वर्ग के लोगों को खास तरजीह देकर जातीय व सामाजिक समीकरण के बीच सामंजस्य बिठाने की कोशिश की है। पहली सूची में ओबीसी समाज के 25 लोगों को जिलाध्यक्ष बनाया गया है, जो 35.71 प्रतिशत भागीदारी है।

इसी तरह सामान्य वर्ग के सभी जातियों को मिलाकर 55.71 हिस्सेदारी (39 जिलाध्यक्ष) दी गई है। वहीं, अनुसूचित जाति को भी जिला ईकाईयों में 8.57 प्रतिशत की भागीदारी देते हुए छह जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। सभी जिला चुनाव अधिकारियों ने जहां अपने-अपने जिलों में जाकर सूची जारी की।

प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में जिलाध्यक्षों की सूची जारी करने की जानकारी दी। उन्होंने ने बताया कि भाजपा ने संगठन पर्व के तौर पर संगठन के चुनाव की शुरुआत की थी।बताया कि बूथ और मंडल स्तरीय चुनाव के बाद जनवरी के दूसरे सप्ताह में जिलाध्यक्षों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत की गई थी। हर स्तर पर विचार-विमर्श के बाद ही पार्टी के संगठनात्मक 98 जिलों में से 70 जिलों के जिला व महानगर अध्यक्ष घोषित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि भाजपा ने पहली बार जिलाध्यक्ष की घोषणा खुले मंच से जिला स्तर पर की है। उन्होंने बताया कि उपचुनावों के कारण 11 जिलों में संगठन चुनाव फरवरी महीने के अंत में कराए गए थे, जिसके कारण लगभग 28 जिलाध्यक्षों की घोषणा करीब एक सप्ताह बाद दूसरे चरण में होगी।

पहली सूची में सिर्फ 7.14 प्रतिशत महिलाएं

महिलाओं को बराबर की भागीदारी देने का दावा करने वाली पार्टी के 70 लोगों की पहली सूची में सिर्फ 7.14 प्रतिशत ही भागीदारी मिल पाई है। इस सूची में पांच महिलाओं को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। हालांकि प्रदेश चुनाव अधिकारी महेन्द्र नाथ पांडेय का कहना है कि शेष 28 जिलाध्यक्षों की सूची में भी महिलाओं को उचित भागीदारी दी जाएगी।

पिछले चुनाव में चार महिलाओं को जिलाध्यक्ष बनाया गया था। इस बार इनकी संख्या दोगुनी की जाएगी। यह स्थिति तब है, जब केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई सीट आरक्षित करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाया गया है।

सीएम योगी नवचयनित जिलाध्यक्षों को दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के नवनियुक्त जिला और महानगर अध्यक्षों को बधाई दी है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर दी गई बधाई संदेश में कहा आप सभी भाजपा की नीतियों और सिद्धांतों का पालन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाएंगे ऐसा विश्वास है। उन्होंने कहा कि आप प्रधानमंत्री के सुरक्षा और सुशासन के अभियान को आगे बढ़ाने में भी अपना पूरा योगदान देंगे। सीएम ने सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के उज्जवल भविष्य की भी कामना की है।

भाजपा जिलाध्यक्षों का एलान: ओबीसी-एससी की हिस्सेदारी में सामंजस्य, महेंद्र नाथ पांडेय बोले-आगे भी रखेंगे ध्यान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। भाजपा ने 70 जिलाध्यक्षों का एलान कर दिया। इसमें ओबीसी-एससी के साथ महिलाओं की हिस्सेदारी में ठीक-ठाक सामंजस्य बैठाने की कोशिश की गई है। डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने जानकारी देते हुए कहा कि बचे हुए जिलों की जिम्मेदारी देने पर भी ओबीसी और महिलाओं का ध्यान रखा जाएगा।

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने रविवार को 70 जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। इसमें सामान्य, ओबीसी, एससी और महिलाओं के हिस्सेदारी पर सामंजस्य बैठाने की कोशिश की गई है। इतना ही नहीं बचे हुए 28 जिलों में भी ओबीसी और महिलाओं की ठीक ठाक हिस्सेदारी रखने की बात कही है।

डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को जारी सूची में ओबसी से 25, एससी से छह, सामान्य से 39 और पांच महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। अभी 28 जिलाध्यों की घोषणा बाकी रह गई है। इसमें 11 जिलों में काम चल रहा है। शेष जगहों पर भी जल्द ही काम पूरा कर लिया जाएगा।

उन्होंने यह साफ किया कि आगे भी जो जिम्मेदारियां दी जाएंगी, उनमें ओबीसी और महिलाओं का ध्यान रखा जाएगा। डॉ महेंद्र नाथ पांडेय के बयान से कहीं न कहीं यह साफ है कि भाजपा यूपी में विपक्ष के पीडीए का काट ढूंढ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव समेत अन्य पार्टियों के नेता पीडीए विरोधी बताकर भाजपा को निशाने पर लेते रहते हैं। शायद इसीलिए डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने साफ कर दिया है कि पार्टी पिछड़े और दलित समाज को भी ध्यान में रख रही है।

रविवार को जारी सूची जारी में एक दिलचस्प बात यह है कि इस बार भाजपा ने एक नया दांव खेला है। सपा के गढ़ मैनपुरी में किला भेदने के लिए ममता राजपूत को कमान सौंपी है। यह पहली बार है जब भाजपा ने मैनपुरी में किसी महिला को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है।

हालांकि यहां पर देखने वाली बात यह भी है कि भाजपा ने अपनी विचारधारा के अनुरूप ही किसी भी मुस्लिम को जिलों की कमान नहीं दी है। इससे यह साफ है कि पार्टी अपने सिद्धांतों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

तीन दशक बाद मार्च में तपी राजधानी, बने लू जैसे हालात, 37 डिग्री को छू गया पारा; टूटा 1991 का रिकॉर्ड

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ मार्च के पहले पखवाड़े में ही अप्रैल जैसी तप रही है। गर्मी पड़ने के मामले मामले में लखनऊ में सन 1991 का रिकॉर्ड टूट गया।

राजधानी में मार्च में हो रही अप्रैल जैसी चिलचिलाती गर्मी से लोग बेहाल हैं। तीन दशक बाद मार्च के पहले पखवाड़े में ऐसी तपिश भी गर्मी हो रही है। साल 1991 के बाद लखनऊ में तापमान मापन के इतिहास में पहली बार बीते शनिवार को अधिकतम पारा 36.9 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े तक पहुंच गया। यह सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के मुताबिक मार्च के दूसरे पखवाड़े में लू (हीट वेव) जैसे हालात पैदा होने की बातें अभी से लोगों को चिंता में डाल रही हैं।

वहीं रविवार को देर सुबह से ही गर्म हवाओं का प्रकोप शुरू हो गया। सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा और तीखी धूप में लोग अनावश्यक बाहर निकलने से कतराते दिखे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि सोमवार व मंगलवार को तात्कालिक तौर पर पारे में हल्की गिरावट के संकेत हैं। इसके बाद फिर से तापमान में बढ़ोतरी जारी रहने वाली है।

पारे में मामूली गिरावट-रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस की मामूली गिरावट के साथ 36.9 डिग्री सेल्सियस तो वहीं रात का पारा 1.8 डिग्री की उछाल के साथ 21.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बेहतर हुई राजधानी की हवा-रविवार को लखनऊ के छह वायु गुणवत्ता मापक स्टेशनों में से गोमतीनगर, बीबीएयू और कुकरैल की हवा हरे श्रेणी यानी स्वास्थ्य के लिए अच्छे श्रेणी में दर्ज की गई। वहीं अलीगंज, तालकटोरा और लालबाग की हवा पीली यानी मध्यम श्रेणी में रही।

कुकरैल - 88 - हरा- अच्छा
गोमतीनगर- 65 - पीला- मध्यम
बीबीएयू- 86 - पीला- मध्यम
अलीगंज- 167 - पीला- मध्यम
तालकटोरा - 109 - पीला- मध्यम
लालबाग- 184 - पीला- मध्यम

हवाओं से बदलेगा मौसम

मार्च के पहले पखवाड़े में अप्रत्याशित गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। दूसरे पखवाड़े के पहले दिन रविवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हुई बूंदाबांदी और बादलों की मौजूदगी से अगले दो दिन तक पारे में हल्की गिरावट आने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 17 से 20 मार्च तक मौसम शुष्क रहने वाला है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी से चली पूर्वा हवा फिर से मौसम में बदलाव लाएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक 21 व 22 मार्च को नमी युक्त पुरवाई के असर से उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूर्वी इलाकों सोनभद्र, मिर्जापुर, बलिया व वाराणसी आदि में बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। 24 मार्च से फिर से तापमान बढ़ना शुरू होगा। मार्च के आखिर में प्रदेश मेंलू जैसी परिस्थितियां बनने का पूर्वानुमान है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने लिया बड़ा निर्णय, अब कोई नहीं होगा रामलला का मुख्य पुजारी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए स्पष्ट किया है कि अब राम मंदिर में मुख्य पुजारी की भूमिका में कोई एक व्यक्ति नहीं होगा।

राम मंदिर ट्रस्ट ने लिया बड़ा निर्णय लेते हुए कहा है कि आचार्य सत्येंद्र दास के सम्मान में अब कोई मुख्य पुजारी नहीं होगा। मालूम हो कि आचार्य सत्येंद्र दास के निधन के बाद मुख्य पुजारी की जगह खाली हुई थी। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यह जानकारी दी।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव के अनुसार आचार्य सत्येंद्र दास जी इस बारे में पहले ही सहमति ले ली गई थी। उनके सम्मान में यह पद उनके बाद किसी को नहीं दिया जाएगा इसकी जानकारी उनको भी दे दी गई थी।

पांच सालों में 2150 करोड़ रुपये खर्च

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक रविवार को मणिरामदास की छावनी में हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने की। बैठक में ट्रस्ट ने आय-व्यय की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। राम जन्मभूमि परिसर पर पांच सालों में 2150 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मंदिर निर्माण पर अकेले 1200 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पांच सालों में ट्रस्ट ने सरकार को 400 करोड़ का टैक्स भुगतान किया है। बैठक में मंदिर निर्माण की समय सीमा अप्रैल से बढ़ाकर जून कर दी गई है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि पांच फरवरी 2020 को ट्रस्ट का गठन हुआ। 28 फरवरी 2025 तक पांच वर्षों में ट्रस्ट के अकाउंट से सरकार को विभिन्न एजेंसियों को 396 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ है। 272 करोड़ सरकार को जीएसटी के रूप में गया है। 39 करोड़ टीडीएस जमा हुआ है। 14 करोड़ लेबर सेस का जमा हुआ है। पीएफ, ईएसआई पर लगभग 7. 4 करोड़ रुपये दिया गया है। इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए चार करोड़ रुपये दिए गए हैं।

कांग्रेस के नमस्ते निजामाबाद अभियान में शामिल हुए कांशीराम के विचार, गांवों में मनाया जाएगा जयंती समारोह

लखनऊ। निजामाबाद विधानसभा में हर बूथ तक पहुंचने के बाद अभियान को अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी लांच करने की तैयारी है। अब इस अभियान में कांशीराम के विचारों को शामिल करके अभियान को गति दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में मॉडल विधानसभा बनाने के लिए कांग्रेस नमस्ते निजामाबाद अभियान चला रही है। इसके तहत तीन दिन तक विभिन्न गांवों में कांशीराम के विचारों पर चर्चा की जाएगी। उनके द्वारा कही गई बातों और उनके संदेशों को कांग्रेस आमजन तक पहुंचाएगी।

कांग्रेस के नमस्ते निजामाबाद अभियान का नेतृत्व निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव कर रहे हैं। इसके तहत पहले दिन गंधुवाई, कोलपुर, सोफीपुर और चकिया दूबे रामपुर में परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें कांशीराम की जयंती मनाने के साथ ही उनके योगदानों पर चर्चा की गई। उन्होंने किस तरह से वंचित समाज को शासक बनाया, इसकी रणनीति से लोगों को वाकिफ कराया गया। वोट की ताकत बताई। भविष्य की रणनीति पर लोगों की राय जानी गई।

निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव ने बताया कि दलितों, पिछड़ों और शोषित समाज के लिए कांशीराम ने बहुत काम किया है। बहुजन समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा। दलितों-पिछड़ों की हिस्सेदारी के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। उनके बिना मंडल कमीशन की रिपोर्ट भी लागू नहीं हो पाती।

बताया कि अब पूरे देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई छिड़ी हुई है। इसकी बुनियाद कांशीराम ने डाली थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में भाजपा मनुवादी और सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश में लगी हुई है। वह संविधान को खत्म कर-के मनुवादी व्यवस्था लागू करना चाहती है। लेकिन, कांशीराम के अनुयायी उनके इन मंसूबों को पूरा नहीं होने देंगे।

अमर किशोर पर पार्टी ने बनाए रखा भरोसा, फिर से बने भाजपा के जिलाध्यक्ष, 1991 से जुड़े हैं पार्टी में

लखनऊ। भाजपा ने जिले की कमान एक बार फिर अमर किशोर कश्यप बमबम के हाथों में सौंप दी है। यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा।

भाजपा ने जिले की कमान एक बार फिर अमर किशोर कश्यप बमबम के हाथों में सौंप दी है। भाजपा कार्यालय में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर व पार्टी पदाधिकारियों के बीच जिला चुनाव अधिकारी अशोक सिंह ने अमर किशोर के नाम की घोषणा की। भाजपा ने दूसरी बार अमर किशोर पर भरोसा जताया, जिसके बाद कार्यालय में जश्न का माहौल हो गया। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

मेहनत और समर्पण से एक बार फिर अमर किशोर कश्यप भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का दिल जीतने में कामयाब हो गए। भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए बीते आठ जनवरी को 21 कार्यकर्ताओं ने अपने बायोडाटा के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया था। वर्तमान जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप व पूर्व जिलाध्यक्ष सूर्यनारायण तिवारी का अलग फार्मेट पर नामांकन पत्र लिया गया था। दो महीने से अधिक समय बीतने के बाद रविवार को जिला कार्यालय में जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई। इसमें सहकारिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। जिला चुनाव अधिकारी अशोक सिंह के व्हाट्सएप पर प्रदेश कार्यालय से जिलाध्यक्ष के नाम की सूची भेजी गई। सबके सामने उन्होंने नए जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप के नाम की घोषणा की। मंच पर बैठे तरबगंज विधायक प्रेमनरायन पांडेय, गौरा विधायक प्रभात वर्मा, सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, कटरा बाजार विधायक बावन सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्र, सूर्यनारायन तिवारी, नीरज मौर्य, संदीप पांडेय आदि ने अमर किशोर कश्यप को बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से जिलाध्यक्ष का स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दीं।

होली पर वापसी: सुस्त सर्वर के चलते नहीं हो पाईं तत्काल की टिकटें

300 से ऊपर पहुंची नियमित ट्रेनों की वेटिंग

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

लखनऊ। दिल्ली और मुंबई से होली मनाने के लिए यूपी के अलग-अलग शहरों में आए लोगों की वापसी का सफर मुश्किल होता जा रहा है। ट्रेनों में टिकट की गुंजाइश कठिन होती जा रही है।

आईआरसीटीसी के सुस्त सर्वर ने रविवार को तत्काल कोटे से सीट की आस लगाए बैठे यात्रियों को मायूस कर दिया। कोटा खुलने के सिर्फ पांच मिनट में ही दिल्ली, मुंबई रूट की ट्रेनों की तत्काल सीटें फुल हो गईं। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग अभी भी बनी हुई है। इससे यात्रियों को जनरल बोगियों में सफर के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

होली के बाद दिल्ली व मुंबई लौटने वालों का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। चारबाग व लखनऊ जंक्शन सहित राजधानी के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ रही। नियमित ट्रेनों में कन्फर्म सीटों की मारामारी के चलते रविवार सुबह यात्रियों ने तत्काल कोटे में टिकट बुक कराने का प्रयास किया।

सोमवार को लखनऊ से दिल्ली व मुंबई जाने वाली ट्रेनों में 520 तत्काल कोटे की सीटें थीं। आलमबाग निवासी अनुज सिंह ने पुष्पक एक्सप्रेस की थर्ड एसी के लिए तत्काल में सीट बुक करने का प्रयास किया, लेकिन आईआरसीटीसी के सुस्त सर्वर ने उन्हें मायूस कर दिया।

वे दोबारा प्रयास करते, उससे पहले ही वेटिंग शुरू हो गई। ऐसे ही अरुण यादव ने लखनऊ मेल से दिल्ली के लिए सेकंड एसी में टिकट बुक कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब वे सोमवार को शेयर्ड टैक्सी से दिल्ली रवाना होंगे।

300 पहुंची नियमित ट्रेनों में वेटिंग-लखनऊ से दिल्ली व मुंबई जाने वाली नियमित ट्रेनों में वेटिंग का आंकड़ा तीन सौ पार पहुंच गया है। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली एसी एक्सप्रेस, लखनऊ मेल, शताब्दी, वंदे भारत, कैफियात, पद्मावत, काशी विश्वनाथ आदि ट्रेनों की वेटिंग तीन सौ तक पहुंच गई है। मुंबई जाने वाली पुष्पक, कुशीनगर, गोरखपुर एलटीटी आदि ट्रेनों की वेटिंग भी सवा सौ पार चल रही है।

शेयर्ड टैक्सी बन रही सहारा-शेयर्ड टैक्सी यात्रियों के लिए सहारा बन रही हैं। रविवार को शेयर्ड टैक्सी की आठ सौ से अधिक बुकिंग हुई। एयरवॉक ट्रेवेल एजेंसी के आतिफ ने बताया कि शेयर्ड टैक्सी की मांग बढ़ी है। इसकी वजह उनका सस्ता होना है। लखनऊ से दिल्ली की टैक्सी नौ सौ से 15 सौ तक मिल रही है। बिहार व पूर्वांचल के राज्यों के लिए टैक्सी पांच सौ से दो हजार रुपये के बीच उपलब्ध हैं।

बस अड्डों पर उमड़े यात्री-रविवार को लखनऊ के बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़ रही। रोडवेज प्रशासन की ओर से अतिरिक्त बसों की व्यवस्था होने से सफर का संकट नहीं हुआ। गर्मी के चलते मुसाफिर बस अड्डों पर परेशान हुए। अगले तीन दिनों तक यात्रियों की वापसी की भीड़ बस अड्डों पर होने की उम्मीद अफसर जता रहे हैं।

संपूर्ण चौकी क्षेत्र में बड़ी शान्ति पूर्ण तरीके से मनाई गई होली का त्योहार- चौकी प्रभारी राहुल कुमार

वरिष्ठ समाज सेवी पं.नीरज तिवारी मसौरा के सानिध्य में पुलिस चौकी मसौरा बैरियल पर धूम धाम से मनाया होली मिलन समारोह

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर चौकी मसौरा बैरियल पर चौकी प्रभारी राहुल कुमार ने सभी को होली के त्योहार पर सभी को संबोधित करते हुए कहा कि होली भारतीयों का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, जो वसंत ऋतु में मनाया जाता है। और यह रंगों का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत एवं वसंत ऋतु के शुभारंभ का प्रतीक है।

यह भारत और नेपाल में एक राष्ट्रीय अवकाश है और अन्य देशों में एक क्षेत्रीय अवकाश है। यह व्यापक रूप से मनाया जाने वाला अवकाश भक्त प्रह्लाद और भगवान श्री राधा कृष्ण के दिव्य और चिरस्थायी प्रेम का सम्मान करता है।इस दिन भगवान

विष्णु की नरसिंह नारायण के रूप में अवतार लिया और हिरण्यकश्यप को मर कर सत्य की विजय का जश्न भी मना जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

एवं समस्त चौकी स्टाफ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में पधारे चौकी क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधान एवं सभी ग्रामों के सभ्रांत नागरिकों की उपस्थिति में मसौरा बैरियल पर होली बड़े ही धूम धाम से शान्ति पूर्ण तरीके से मनाई गई जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी पं.नीरज तिवारी मसौरा कलां एवं लोक प्रिय चौकी प्रभारी राहुल कुमार एवं उप नि. जोगेंद्र सिंह हे.कां.रामसमझावन सिंह,कां. गनेश कां.अंकुल समस्त चौकी स्टाफ सहित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शंकर यादव जिजयावन ग्राम प्रधान गोपाल सिंह पटसेमरा, पूर्व ग्राम प्रधान कैलाश कुशवाहा रघुनाथपुरा, किसान नेता विश्वनाथ सिंह यादव जियावन , हरी सिंह यादव कोटेदार जियावन एवं पं.सुरेन्द जामुनधाना, खेमचंद्र कुशवाहा मसौरा कलां केपी यादव पत्रकार आदि समस्त क्षेत्र वासी उपस्थित रहे।

पुराने चबूतरे को कागजो में दिखा दिया नया निर्माण

'विकासखंड बार की करमई ग्राम पंचायत का मामला'

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर बार सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में विकास व जनसुविधाओं के लिए प्रतिवर्ष लाखों रुपए का भारीभरकम बजट भेजा जा रहा है, बाबजूद इसके स्थानीय जिम्मेदार शासन की मंशा व बजट को पलीता लगाने में लगे हुए हैं।

ऐसा ही एक मामला ब्लॉक बार की ग्राम पंचायत करमई का सामने आया है जहां पंचायत के जिम्मेदारों ने वर्षों पुराने सार्वजनिक चबूतरे को कागजों में नया दिखाकर एक लाख छत्तीस हजार रुपए निकालकर बंदरबांट कर लिया। जबकि उच्चाधिकारियों व स्थानीय लोगों को भनक तक नहीं लगी।

ब्लॉक मुख्यालय बार की ग्राम पंचायत करमई में दौलत रैकवार के मकान के सामने एक सार्वजनिक चबूतरा बना है। लोगों के अनुसार उक्त चबूतरा करीब दस साल पहले ग्राम पंचायत द्वारा बनवाया गया था। लेकिन विभागीय पोर्टल के अनुसार इसी चबूतरे को ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा पांचवें राज्य वित्त आयोग के तहत वर्ष 2022-23 में कागजों में नया निर्माण दिखाकर पैसे निकाल लिए। 20 अक्टूबर 2022 को वाउचर संख्या 5 टीएचएसएफसी/2022-23/पी/19 से 1,00,510 रुपए का भुगतान चबूतरा निर्माण के लिए सामग्री व वाउचर संख्या 5 टीएचएसएफसी/2022-23/पी/20 से 36,202 रुपए का भुगतान मजदूरी के रूप में किया गया। जबकि चबूतरे पर किसी तरह का नया कार्य नहीं किया गया। पुराने चबूतरे का कागजो में नया निर्माण दिखाकर धनराशि निकालकर बंदरबांट कर ली गई।

महेन्द्र कोटार्य बने भाजपा के चित्रकूट जिलाध्यक्ष

एनपीटी ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः अब तक भाजपा में जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे महेन्द्र कोटार्य को चित्रकूट का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा होने पर पार्टी कार्यकताओं ने जश्न मनाकर प्रसन्नता का इजहार किया।

जिला मुख्यालय में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में जिला चुनाव अधिकारी कौशलेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकताओं ने बिना किसी संकट के, बिना किसी विवाद के भाजपा के संगठनात्मक चुनाव सम्पन्न कराए हैं। लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों ने पीडीए का नारा देकर उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को गुमराह करने का प्रयास किया था, किंतु पार्टी के संगठन ने भी अब निर्णय लिया है कि किसी समाज का

व्यक्ति नेतृत्व के मामले में वंचित नहीं रहेगा। इसी प्रकार चित्रकूट में भी कल्पना से परे एक सामान्य कार्यकर्ता महेन्द्र कोटार्य को चित्रकूट का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने कहा कि जिले के कार्यकताओं और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के विश्वास पर वह खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने कहा कि सभी कार्यकर्ता नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष के साथ स्वयं को जिलाध्यक्ष समझकर सहयोग की भावना से काम करें।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री अजीत पाल, जिला प्रभारी अनिल यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी, रामनगर गंगाधर मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, चंद्रप्रकाश खरे, भाजपा नेत्री, रंजना उपाध्याय, जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय, राजेश जायसवाल, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष हीरो मिश्रा, जिला महामंत्री मोहित मिश्रा, अभिषेक ओझा, नगर अध्यक्ष रवि गुप्ता, मानिकपुर नगर अध्यक्ष राकेश आदि मौजूद रहे।

सौरभ यादव को मिली एसएससी सीजीएल में सफलता

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती ,अपनी मेहनत और लगन से कामयाबी की कहानी लिख देती है।कर्मचारी चयन आयोग - संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में महरौनी तहसील के गांव के प्रागीलाल के पुत्र सौरभ यादव ने भी सफलता प्राप्त कर गांव एवं तहसील का नाम रोशन किया है उन्होंने एसएससी सीजीएल 2024 परिणाम में सफलता प्राप्त कर इनकमटैक्स विभाग में आफिस अधिकारी की पोस्ट पर चयन हुआ।इनकी सफलता पर परिजनों एवं ग्रामवासियों में हर्ष व्यक्त कर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की ।

रात में खलिहान में लगी आग ने आधा दर्जन किसानों को किया तबाह

राजापुर, चित्रकूटः तहसील के ग्राम पंचायत सरधुआ के मजरा गरीबदास का पुरवा में रविवार की रात खलिहान में आग लगने से छह किसानों की 30 से 35 बीघा की फसल जलकर राख हो गई। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल पहुंचकर नुकसान का आकलन किया है। साथ ही किसानों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया है।

भारतीय किसान यूनियन के जिला महामंत्री अरुण कुमार पाण्डेय ने बताया कि आगजनी की घटना में अमरनाथ उर्फ मुन्नीलाल पुत्र चंद्रपाल, जुग्गन पुत्र चुन्ना, सुमेर पुत्र रज्जन, राजाराम पुत्र रज्जन, अशोक पुत्र जुग्गन और दुर्गा प्रसाद पुत्र चंद्रपाल की फसलें जलकर राख हो गईं। किसानों के मुताबिक उनकी सरसों की फसल कटने के बाद खलिहान में रखी थीं। रविवार की सुबह बादल देख बारिश की आशंका के चलते फसल को तिरपाल से ढकने के लिए जब अमरनाथ खलिहान पहुंचा तो देखा कि खलिहान में रखी फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई थी। जिसके बाद उसने अन्य किसानों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने बताया कि आग रात के समय लगी थी और तेज हवा के कारण पूरे खलिहान में फैल गई। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह चैहान ने बताया कि घटना की सूचना प्रशासन को देने पर राजस्व अधिकारी (लेखपाल) जगरूप मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि किसानों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और शासन के नियमानुसार प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि घटना के बाद गांव के किसानों में मातम पसरा हुआ है। किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिरने से उनका रो-रोकर बुरा हाल है। आगजनी की इस घटना ने किसानों को आर्थिक रूप से बुरी तरह तोड़ दिया है। अब सभी की नजरें प्रशासन पर टिकी हैं, ताकि समय रहते उन्हें मुआवजा मिल सके और वे फिर से अपनी आजीविका पटरी पर ला सकें। भारतीय किसान यूनियन ने अग्निपीड़ित किसानों को प्रशासन कि तरफ से जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है।

अग्रहरि समाज का होली मिलन समारोह धूमधाम से हुआ सम्पन्न

चित्रकूट ब्यूरोः जिला मुख्यालय के शंकर बाजार स्थित अग्रहरि धर्मशाला में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक शिवदास अग्रहरि ने कहा कि अग्रसेन महराज सर्व वैश्य समाज के उत्थान के लिए प्रयत्नशील रहें। उन्होंने कहा कि एकजुट रहते हुए ही समाज का विकास हो सकता है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मूलचंद अग्रहरि ने भी सर्व वैश्य समाज के एकता में बल दिया। चित्रकूट अग्रहरि समाज के जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद उर्फ गोरेलाल, युवा जिलाध्यक्ष अनुज अग्रहरि, पूर्व सभासद रामनरेश अग्रहरि, अरुण कुमार अग्रहरि, लक्ष्मी प्रसाद अग्रहरि, शैलेंद्र अग्रहरि, शिवकरण अग्रहरि, वरिष्ठ पत्रकार शिवमंगल अग्रहरि, छेदीलाल अग्रहरि, लवकुश अग्रहरि, रामखेलावन अग्रहरि, छोटू अग्रहरि, श्यामलाल अग्रहरि उर्फ लल्लू भाई, मुन्नालाल अग्रहरि, गुलाग गुप्ता आदि ने समाज की एकता एवं अखंडता के लिए विचार रखे। इस मौके अग्रहरि समाज के लोग मौजूद रहे।

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रोता

मऊ, चित्रकूटः तहसील क्षेत्र के आदर्श नगर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन रविवार को कथावाचक अनुज कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा के प्रसंग का वर्णन किया।

कथा के दौरान वृंदावन से आए कथावाचक अनुज कृष्ण शास्त्री ने बताया कि श्रीकृष्ण की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर वर्णन करते हुए कथा वाचक ने कहा कि आत्मा और परमात्मा का मिलन तभी संभव

है, जब माया रूपी चीर का हरण होता है। भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है। कहा कि मनुष्य जीवन केवल विषय वस्तुओं को भोगने के लिए नहीं, बल्कि भगवान की भक्ति के लिए मिला है। इस मौके पर यजमान शरद चंद्र यादव, राम नरेश यादव सहित सोनू, मोनू, राजबहादुर यादव व श्रोतागण मौजूद रहे।

बुन्देलखण्ड विकास सेना का 34 वां होली मिलन समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया

प्रदेश के राज्यमंत्री मन्नू कोरी ने बु. वि. सेना के पारम्परिक कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर ।बुन्देलखण्ड विकास सेना तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारतीय संस्कृति भाईचारा , उत्साह उमंग और बुन्देली लोक संस्कृति को संजोने वाला 34 वां रंगारंग कार्यक्रम स्थानीय कम्पनी बाग में मनाया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ. प्र. शासन के राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ मन्नू कोरी , पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य , सदर विधायक रामरतन कुशवाहा , जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन , नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन ने लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए बु. वि. सेना के इस पारम्परिक कार्यक्रम की मुक्तकंठ से प्रशन्सा की ।प्रदेश के राज्यमंत्री मन्नू कोरी और प्रदीप जैन आदित्य ने संगीत की धुनों पर जमकर ठुमके लगाये ।

प्रदेश के राज्यमंत्री मन्नू कोरी ने कहा कि बु. वि. सेना द्वारा अनेक वर्षों से आयोजित करने वाले ऐसे कार्यक्रम हमारी बुन्देली संस्कृति को प्रोत्साहित करते रहते है ।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि ललितपुर में बु.वि. सेना का मनाया जाने वाला आयोजन पूरे बुन्देलखण्ड में अभूतपूर्व है । सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने भी होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों में प्रेम और सद्भाव बढ़ाते हैं । उक्त अवसर पर लोक संस्कृति से ओत- प्रोत लोक कला सोसाइटी नृत्य मण्डली ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया । इस मौके पर फ्रेन्ड्स ऑकेस्टा के कलाकारों ने सुमधुर , मस्ती और तरंग के गीतों के माध्यम से जमकर तालियां बटोरी । इस दौरान बुन्देली फाग , अबीर , गुलाल , डांस मस्ती के माध्यम लोगों ने थिरकते हुए जमकर लुत्फ उठाया । तत्पश्चात बुन्देली पारम्परिक पकवान और लजीज भोजन ने लोगों को चटखारे लेने मजबूर कर दिया । इस दौरान लकी ड्रा के माध्यम से जनता को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।

इस मौके पर ललितपुर के तमाम गणमान्य नागरिक जिनमें सर्व श्री राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ मन्नू कोरी , पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य , सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन , नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्ना लाल जैन , सदर सी० ओ० अभय नारायण राय, प्रदीप चौबे , जगदीश लोधी , महेन्द्र मयूर , अनिल बबड़ी, अनिल अंचल , वी० के० सरदार, शशि परमार , संजना सिंह , सुदेश नायक, निखिल तिवारी, चन्द्रशेखर पंथ , अशोक पंथ , राकेश तिवारी, डॉ आलोक जैन सिद्धी , डॉ रोहित सुडेले , महेन्द्र यादव, अजय पटैरिया , अनिल पटैरिया, सिद्धार्थ शर्मा , रामकिशोर मुखिया , अमर विश्वकर्मा, रामू कुशवाहा, सरदार मंजीतसिंह , महेश नामदेव , प्रशांत शुक्ला, बाबा काशीराम साहू , संतोष शर्मा, रविन्द्र दिवाकर , राजेश यादव, सनी गुप्ता, जसपाल बंटी सरदार , विजय जैन कल्लू पत्रकार , सुनील सैनी, संजय अवस्थी, प्रकाश झा , हरगोविंद कुशवाहा, राहुल पटेल , धीरज कुशवाहा , अमित सोनी, अजित भारती , परवेज पठान, सुनील कुशवाहा, मौसम सेन, कृष्ण बिहारी उपाध्याय , संजय पाठक, केके सोनी , प्रशांत दुबे, सौरभ गौस्वामी, सौरभ यादव, चंद्रशेखर राठौर , सन्मति सर्राफ, रविन्द्र अलया , प्रेमशंकर गुप्ता, , विजय गोस्वामी, महेन्द्र अग्निहोत्री , गोपी डोडवानी, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा , विजय जैन पालीवाले , राजेन्द्र गुप्ता , अमित प्रिय जैन, मनोज शर्मा, स्वदेश नायक, बृजमोहन संज्ञा, विजय जैन, अरमान कुरेशी एड०, उदित रावत, राजमल बरया , संतोष चौबे, दिनेश गोस्वामी एड० , सुनील अग्रवाल, देवी सिंह मामा, मुकेश बाबा, रवि झा, बबलू चंदेल, पुष्पेन्द्र शर्मा, आत्माराम रिछारिया, संजीव जैन , लक्ष्मीनारायण झा, मोनू अग्रवाल, दीपक पटवारी, अजय साहू, बृजेन्द्र कुशवाहा, रामसिंह, पहाड़सिंह , मनोज कलपुर्जे, राजीव सुडेले बबली, कन्हैया नामदेव, रवि चौहान, लाखन स्वामी, आर०के० तोमर, परवेज पठान, शत्रुघ्न यादव , संजय शर्मा , आयुष सैनी लकी, राजकुमार कुशवाहा, गौरव विश्वकर्मा ,अमर सिंह बुन्देला , सनी गुप्ता , सोनू पाठक, सुदेश सोनी , महेश नामदेव , अखिलेश शांडिल, रविन्द्र पाठक ,अजय पहलवान , शुभम देवलिया, फूल चन्द्र रजक , रमाशंकर शर्मा, आदित्य प्रकाश सोनी , दीपक जैन , मनोज पंचम , पुष्पेन्द्र शर्मा, जगदीश नेता, संजीव चौरसिया , दीपक पटवारी, अंकित यादव , राघव तथा लोक कला सोसायटी द्वारा रंगारंग कार्यक्रम फ्रेंड्स ऑकेस्ट्रा अन्य सामाजिक संगठन के गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

लवलेश पाण्डेय बने राष्ट्रीय पत्रकार संघ के संगठन मंत्री

एनपीटी ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरोः राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत ने दिल्ली के प्रधान सम्पादक लवलेश पांडेय को संगठन मंत्री बनाया है। उनके मनोनयन पर स्थानीय पत्रकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। राष्टीय पत्रकार संघ भारत का काफिला उत्तर प्रदेश के 74 जनपदों से गुजरते हुए पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट, तमिलनाडु, कर्नाटक, बिहार, झारखन्ड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, गोवा, मध्य प्रदेश सहित 22 प्रान्तों में अपनी पहचान को पुख्ता बनाते हुए अब देश की राजधानी दिल्ली में शोहरत का परचम बुलन्द कर रहा है। जहां फिल्म एक्टर व पत्रकार राजेश पंडित, दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता एके जैन, विमल सिन्हा, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र पांडेय, दिल्ली प्रभारी रामरतन सिंह, लकी तोमर, कैलाश सिंह ने शामिल होकर परचम को बुलन्दी दे रहे थे, वहीं अब दिल्ली के प्रधान सम्पादक लवलेश पांडेय ने भी संगठन में शामिल होकर संगठन मन्त्री का पद संभाल लिया है। राष्टीय पत्रकार संघ भारत निरन्तर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ कर पत्रकार हित में अग्रणी भूमिका निभा कर अपनी अलग पहचान कायम कर रहा है।

बाबा गरीबनाथ लख्खी मेले की तैयारियां जोरों पर

व्यवस्थाओं को लेकर एसडीएम,डीएसपी ने लिया जायजा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा(16 मार्च 2024) उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, मुण्डावर मनीष कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र निर्वाण ने संयुक्त रूप से इस वर्ष लगने वाले वार्षिक लक्खी मेला बाबा गरीबनाथ जी मेला स्थल पर पहुँचकर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, मुण्डावर एवं पुलिस उपाधीक्षक राजेन्द्र निर्वाण ने

मेला स्थल पर पेयजल व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पर्याप्त छाया व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बेरिकेडिंग व्यवस्था, प्राथमिक उपचार व्यवस्था, चल शौचालय व्यवस्था, अनाउंसमेंट व्यवस्था, साफ-सफाई व्यवस्था, एम्बुलेंस की व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरों ,वॉलिंटियर्स नियुक्ति एवं पुलिस व्यवस्थाओ का जायजा लिया इस मौके पर तहसीलदार मुण्डावर लोकेश चौधरी, थानाधिकारी पुलिस थाना ततारपुर, सरपंच ग्राम पंचायत शामदा मौजूद रहे। सम्बंधित अधिकारियों सहित मंदिर रिसीवरों को मेले के सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये।

जमालपुर पहुंचे विधायक खैरिया केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता के निधन पर संवेदना व्यक्त की

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

किशनगढ़ बास । अलवर सांसद केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव के पैतृक गांव पहुंचकर विधायक दीपचंद खैरिया ने संवेदना व्यक्त की। विधायक खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि अलवर सांसद व केंद्र में केबिनेट मंत्री भूपेंद्र यादव के पैतृक गांव जमालपुर पंहुचकर को पितृ शोक व्यक्त किया।

२इसके पश्चात कॉग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राजस्थान से राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला से शिस्टाचार भेंट की। इस मौके पर उनके साथ सरपंच फूल सिंह चौधरी, समाजसेवी दौलत भारती, किसान नेता शेर सिंह चौधरी, मनीष भारती मौजूद रहे।

सुरेश मीणा किशोरपुरा का त्रिवेणी धाम में सम्मान

जयपुर सांसद राव राजेंद्र सिंह विपिन यादव मंजू सैनी सहित कई वरिष्ठ लोगों ने किया अभिनंदन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं जयपुर। देश की प्रसिद्ध खोजी पीठ त्रिवेणी धाम स्थित मीणा धर्मशाला में शनिवार को आदिवासी मीणा सेवा संघ का होली मिलन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा को समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जयपुर सांसद राजा राव राजेंद्र सिंह,समाज सेवी विपिन यादव, भामाशाह सुरेश मीणा प्रागपुरा, पूर्व प्रधान मंजू सैनी सहित कई वरिष्ठ लोगों ने किशोरपुरा को मोमेंटो, छायाचित्र और प्रशस्ति पत्र

देकर सम्मानित किया। त्रिवेणी धाम के सिद्ध ब्रह्मलीन संत गंगा दास महाराज की स्मृति में आयोजित विशाल मेले के अवसर पर संत शिरोमणि नारायण दास महाराज और खोजी पीठ के महंत राम रिछपाल दास महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में हास्य कलाकार पन्या सेपट ने भी प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीणा समाज के अलावा सर्व समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विनोद मीणा आंतेला ने किया। तहसील अध्यक्ष रामवतार मीणा ने आगंतुक मेहमानों का आभार जताया।

बूंदी। खेल संकुल एक बार फिर आया सुर्खियों में !

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी ! खेल संकुल में खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह की मौजदूगी में शराब पार्टी की बात आ रही है सामने, खेल संकुल कार्यालय में धुलण्डी पर की शराब पार्टी ! सोशल मीडिया पर शराब पार्टी का फोटो हो रहा है वायरल, खेल अधिकारी नहीं कर रहे हैं मीडिया कर्मियों का मोबाइल रिसीव, हैरानी की बात है कि शहर के बीचों बीच स्थित खेल संकुल में बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों बुजुर्गों रहता है यहां आना जाना, शहर के प्रबुद्ध जनों ने खेल अधिकारी के खिलाफ की कार्रवाई की मांग।

बेरोजगार आशार्थियों के लिए 18 मार्च को होगा एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 16 मार्च। जिले के बेरोजगार आशार्थियों के लिए 18 मार्च को नैनवां रोड स्थित होटल शगुन में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी भैरूप्रकाश नागर ने बताया कि शिविर में राज्य एवं राज्य से बाहर की विभिन्न निजी कम्पनियां भाग लेगी। शिविर में बेरोजगार आशार्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होगें। निजी क्षेत्र के नियोजक बेरोजगार आशार्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया सम्पादित करेगें।

उन्होंने बताया कि शिविर में कौशल प्रशिक्षण संस्थान/आर.एस.एल.डी.सी प्रशिक्षण हेतु बेरोजगार आशार्थियों का चयन करेंगे। बेरोजगार आशार्थियों को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। निजी कम्पनियों द्वारा टेक्नीशियन, फील्ड ऑफिसर, सेल्स मैनेजर, टेक्निकल ऑपरेटर एवं सिक्योरिटी सर्विस आदि पदों के लिये चयन किया जाएगा। इन पदों के लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, डिप्लोमाधारी, कम्प्यूटर जानकारी एवं आई.टी.आई. निर्धारित है। उन्होंने कहा कि इच्छुक बेरोजगार आशार्थी अपने मूल दस्तावेज मय छाया प्रतियों तथा पांच पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ शिविर में भाग लेकर अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

कांग्रेस नेता अशोक पुरी के निधन पर शोक जताने पहुंची महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी 16 मार्च। सुवासा क्षेत्र के लोगों के दुख दर्द में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने वाले कांग्रेस नेता अशोक पुरी का निधन क्षेत्र ही नहीं पार्टी के लिए भी अपूरणीय क्षति है। यह कहना है राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा का। पूर्व उप प्रधान एवं जिला कांग्रेस महासचिव नरेंद्र पुरी के भाई कांग्रेस नेता अशोक पुरी के निधन पर राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष दिग्गज कांग्रेसी नेता ममता शर्मा शोक संवेदनाएं व्यक्त करने सुवासा पहुंची थी। शर्मा ने यहां शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दिवंगत अशोक पुरी को सामाजिक क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए याद किया जाता रहेगा। ममता शर्मा एवं उपस्थित अन्य कांग्रेसी नेताओं व कार्यकताओं ने दिवंगत अशोक पुरी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि अशोक पुरी का

गत दिनों निधन हो गया था। जिसके बाद से ही कांग्रेस नेताओं का शोक संवेदना व्यक्त करने हेतु सुवासा पहुंचने का सिलसिला जारी है। पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने भी सुवासा पहुंच अशोक पुरी के निधन पर दुख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

छीतर रेगर के परिजनों को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

राष्ट्रीय महिला आयोग पूर्व अध्यक्ष ममता शर्मा ने सुवासा में छीतर रेगर व पूजा मेघवाल के निधन पर उनके निवास पर पहुंच शौक संवेदना व्यक्त की। छीतर रेगर के निधन के पश्चात परिवार को चलाने की जिम्मेदारी उसके छोटे बेटे पर आने तथा घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते शर्मा ने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

इस दौरान जिला कांग्रेस महासचिव शहाबुद्दीन जेड, नरेंद्र पुरी, ओबीसी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नवदीप पुरी, कांग्रेस नेता बृज किशोर सुखाड़िया, मंडी समिति पूर्व उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद मीणा, जगन मेघवाल, विद्यासागर प्रजापति, हजारीलाल मेघवाल, अंशुल शर्मा, बबलू जांगिड़, बृजेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अजित जैन बने बघेरवाल जैन समाज तालेड़ा के अध्यक्ष

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी ! 16 मार्च :- तालेड़ा बघेरवाल दिगंबर जैन समाज के समाज बंधुओ की बैठक पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित हुई । जिसमें सर्वसम्मति से अजित जैन को अध्यक्ष चुन लिया गया बैठक में संरक्षक के पद पर पदम जैन, राकेश जैन ,बाबूलाल जैन और त्रिलोकचंद जैन को चुना गया।

उपाध्यक्ष पद पर सुमित जैन ,विमल जैन राकेश जैन, कोषाध्यक्ष जंबू कुमार जैन उअ, सचिव सुरेश जैन ,महामंत्री के पद पर संजीव जैन ,विनोद जैन एवं सलाहकार समिति में शांतिलाल जैन ,धन्नालाल जैन को चुना गया है

कुछ दिन पहले थाने में हुआ था राजीनामा

दिंगबर जैन बघेरवाल समाज के अध्यक्ष को लेकर पूर्व में समाज के दो पक्षों में विवाद चल रहा था जिसके बाद एक पक्ष के द्वारा तालेड़ा थाने में करीब तीन से चार घंटे तक रात्रि में धरना भी दिया था उसके बाद दोनों पक्षों में राजीनामा हुआ और पूर्व के दोनों अध्यक्ष मनोज जैन एवं धन्नालाल जैन को हटाया गया था

फिर जैन मंदिर में आम सूचना चस्पा करवाकर बैठक आयोजित कर नई कार्यकारिणी बनाकर बनाई गई बैठक रजिस्टर की एक प्रति राजीनामे के अनुसार तालेड़ा थाने में दे दी गई है

तनावाड़ा औद्योगिक क्षेत्र की हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में आग, दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

जोधपुर। लकड़ी के सामान और केमिकल ड्रमों की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैली, जिससे दमकल कर्मियों के लिए इसे नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया। बसनी, बोरानाडा सहित कई इलाकों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शहर के तनावाडा औद्योगिक क्षेत्र में एक हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। मौके पर पहुंची कई दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन आग तेजी से आगे बढ़ी केमिकल के ड्रम होने के चलते आग पर काबू पाना दमकलों के लिए काफी कठिन हो रहा था। शहर के सालावास स्थित तनावाडा औद्योगिक क्षेत्र में हैंडीक्राफ्ट की एक फैक्ट्री में शाम के वक्त अचानक लग गई। सूचना मिलने पर मौके पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बसनी, बोरानाडा सहित कई इलाकों से दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल कर्मियों ने कई फेरे कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती ही चली गई। जब तक आग पर काबू पाया जा सका तब तक हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री मालिक को काफी नुकसान हो चुका था।

दामाद ने गुस्से में सास-ससुर और पत्नी को चाकू से किया लहूलुहान

ब्यरो -एनपीटी

सिरोही। गंभीर रूप से घायल तीनों को पहले अनादरा सरकारी अस्पताल, फिर सिरोही जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिरोही जिले के अनादरा थानांतर्गत होलागरा गांव में रविवार को एक पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप धारण कर लिया। इस मामले में आरोपी जमाई ने अपने सास, ससुर और पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों और परिवारजनों द्वारा घायलों को पहले अनादरा सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद सिरोही जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फि लहाल तीनों का इलाज जारी है। उधर, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचीं तथा घायलों के बयानों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार आरोपी भरत कोली परिवार का जमाई है। वह अपने दूध पीते बच्चे

को लेकर अहमदाबाद, गुजरात चला गया था। इसके बाद बच्चे की मां हीनादेवी अपने भाई रमेश कुमार के साथ अहमदाबाद गई तथा बच्चे को वापस लेकर गांव आ गई। इससे नाराज आरोपी भारत शनिवार रात भरत अनादरा पहुंचा और गुस्से में आकर अपने ससुर अन्नाराम, सास मनीदेवी एवं पत्नी हीना पर चाकू से हमला कर दिया। इससे वे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सौंपा ज्ञापनर | शिक्षकों की 18 सूत्री मांगों के समाधान के लिए

कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल को सौंपा ज्ञापन, मिला उचित कार्यवाही का आश्वाशन

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी ! 16 मार्च : शिक्षक संघ एलिमेंट्री सैकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के प्रदेश वरिष्ट उपाध्यक्ष मंशाराम खिजुरी के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा को शिक्षकों की 18 सूत्री समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के लिए ज्ञापन सौंपा । शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने पदोन्नत हुए व्याख्याता,प्राचार्य, जिला शिक्षा अधिकारियों का जल्द पदस्थापन करवाने, महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में जल्द पदस्थापन करवाने, 2 दिवसीय जिला व 2 दिवसीय राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलनों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य करने,तबादलों हेतु स्थाई तबादला नीति बनाकर सार्वजनिक तौर पर घोषित की जाएं, जिससे विधायकों,जन प्रतिनिधियों की डिजायर प्रथा का चलन समाप्त हो, महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा, तृतीय

श्रेणी शिक्षकों की 4 सत्रों व वरिष्ट अध्यापकों की 2 सत्रों की बकाया पदोन्नति जल्द करवाने, 5 सितंबर को ब्लॉक, जिला व राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान हेतु आवेदन करने व पुरुस्कृत होने वाले सभी शिक्षकों के समस्त दस्तावेजों को ऑनलाइन जारी करवाया जाएं, जिससे सम्मान समारोह की पारदर्शिता बनी रहे, साथ ही राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित शिक्षकों को उन स्कूलों में लगाया जाएं जिन स्कूलों में ड्रॉप आउट विद्यार्थियों की संख्या अधिक हो, साथ ही बालिकाओं की शिक्षा से दूरी बनी हुई हो ओर नामांकन की संख्या कम हो। राज्य के समग्र शिक्षा के कार्यालय में 1382 पदों के लिए हुए इंटरव्यू का जल्द परिणाम जारी करवाने, उप प्राचार्य के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती करवाने,शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों में नहीं लगाने, कम्प्यूटर अनुदेशकों का पदनाम कम्प्यूटर शिक्षक करने व केडर की पुनः समीक्षा करवाकर केडर संशोधन व विस्तार करवाने, शिक्षकों की सुरक्षा के लिए शिक्षक गरिमा अधिनियम बनाने, सभी उच्च माध्यमिक स्कूलों में अनिवार्य विषयों के पद स्वकृत करवाने, सरकारी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने, सभी संवर्गो की वेतन विसंगतियों को दूर करवाने, लेवल टू के संशोधित परिणाम में चयनित शिक्षकों को यथावत रखते हुए छाया पद स्वीकृत करके नव चयनितों को नियुक्ति देने की मांगों के जल्द निस्तारण करवाने की मांग की है। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने संघ के मांग पत्र को पूरा पढ़ा और कहा कि आपकी मांगो से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को अवगत कराकर जल्द निस्तारण कराया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद,प्रदेश वरिष्ट उपाध्यक्ष मंशाराम खिजुरी,प्रदेश महामंत्री नवल सिंह मीना,सुवालाल मीणा आदि उपस्थित रहे।

मीट के शौकीन हो जाएं सावधान,बिगड़ सकती है सेहत

रमजान के पवित्र महीने में धोखे से खुलेआम बेचा जा रहा है बासी मीट, बिना पर्दे के मीट लटकाया गया, लोगों की भावनाएं आहत

एनपीटी संवाददाता

कैराना। रमजान के पवित्र महीने में मीट की दुकानों पर खुलेआम बासी मीट बेचा जा रहा है। जिससे गंभीर बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है।वहीं मीट की दुकानों के बाहर बिना किसी पर्दे के मीट लटकाया गया है,जिससे लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं।

कस्बे में मीट माफियाओं द्वारा ग्राहकों को धोखे में रखकर धड़ल्ले के साथ बासी मीट बेचा जा रहा है। यह दुकानें साप्ताहिक बंदी में भी खोली जाती हैं,जिन्हें कानून का जरा भी खौफ नहीं है।अगर आप मीट के शौकीन हैं, तो संभल जाएं, क्योंकि आपके हाथों में जो मीट थमाया जा रहा है, वो आपकी सेहत बिगाड़ सकता है। मीट माफिया बचे हुए मीट को फ्रीजर में जमा देते हैं और फिर उसे बेच देते हैं। मीट माफियाओं के इस कारनामे के चलते आमजन की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है।दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेशों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यहां शुद्धता के नाम पर बट्टा लगाया जा रहा है। दुकानों में गंदगी फैली हुई है और बाहर खुले में मीट लटकाया हुआ है,जिस पर डस्ट लगने के साथ-साथ मक्खियां गंदगी फैला रही हैं,जबकि सरकार द्वारा मीट विक्रेताओं को साफ आदेश हैं कि किसी भी तरह से खुले में मीट नहीं बेचा जा सकता,जिससे दूसरे लोगों की भावनाएं आहत न हों। मीट विक्रेताओं की मनमानी के चलते खुलेआम दुकानों के बाहर मीट के लोथड़े लटकाए गए है,जिससे दूसरे धर्म के लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं और उनका निकलना भी दुश्वार हो गया है। इससे पूर्व गाँव रामडा निवासी एडवोकेट ने एसडीएम कैराना को शिकायती पत्र देकर खुले में मीट बेचने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

सामुदायिक शौचालय में फैली गंदगी, सफाईकर्मी नदारद

वार्ड 22 में स्थित सामुदायिक शौचालय की सुरक्षा व्यवस्था रामभरोसे, टोंटियां व पाइप उखाड़ ले गए अज्ञात चोर

एनपीटी संवाददाता

कैराना। आमजन की सुविधा हेतु नगर पालिका द्वारा लाखों रुपयों की लागत से बनाये गए सामुदायिक शौचालयों में गंदगी के अंबार लगे हुए हैं।जिससे दिशा शौच के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है। इनकी सुरक्षा भी रामभरोसे ही छोड़ी गई है। अज्ञात चोर टोंटियां व पाइप तक उखाड़कर ले गए हैं।

कस्बे के वार्ड संख्या 22 में लाखों की लागत से नगर पालिका परिषद कैराना द्वारा सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था, जिससे राहगीरों को दिशा-शौच के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। लेकिन सफाई कर्मियों की लापरवाही के चलते इस सामुदायिक शौचालय में गंदगी के अंबार लगे हुए है,टोंटियां व पाइप आदि अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। इस छह सीटर शौचालय में फर्श व गेट तोड़ दिए गए हैं,मगर इसकी सुध लेने वाला कोई नही हैं। इसकी सुरक्षा रामभरोसे ही छोड़ी गई है। यहां तैनात साफकर्मी पूरी तरह से नदारद हैं,जिस कारण गन्दगी के साम्राज्य है। सफाईकर्मी इनकी सफाई करने को तय्यार नही है,बल्कि सफाईकर्मी द्वारा यहां चुने के कट्टे डालकर शौचालय को गौदाम बना दिया गया है। ऐसे में सामुदायिक शौचालय एक तरह से बंद ही कर दिया गया है। रही सही कसर सामुदायिक शौचालय के बराबर में कबाड़ी ने पूरी कर दी है। जिसने अतिक्रमण करते हुए बोतलों से भरे बड़े-बड़े बोरे डालकर महिला शौचालय का गेट ही बंद कर दिया है।दिशा-शौच के लिए राहगीर कहाँ जाएंगे,कोई बताने वाला नही है। वार्ड 22 के सभासद नौशाद अंसारी का कहना है कि इससे पहले भी टोंटियां चोरी की जा चुकी हैं, कई बार दुरुस्त भी कराया गया है। दोबारा इसकी साफ सफाई कराकर सामुदायिक शौचालय को पुनः चालू कराया जाएगा।

बारिश के बाद सीएचसी के समीप जलभराव, समस्या

एनपीटी संवाददाता

कैराना। बारिश के उपरांत सीएचसी के समीप मार्ग में पानी रुकने से पालिका का सफाई कार्य ध्वस्त हो गए। वही मार्ग से गुजरना दूभर होगया। जलभराव के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। गत शुक्रवार की रात्रि हुई झमाझम बारिश से सीएचसी के समीप मार्ग पर बारिश के चलते कई फीट बारिश का पानी भरने से जलभराव हो गया हैं। वही बारिश के दौरान समस्या उत्पन्न होने के कारण कुछ जगह सफाईकर्मी अपनी ड्यूटी पर दिखाई दिए।

आलम यह हुआ कि मार्ग पर बारिश से कई जगहों पर कई-कई फीट जलभराव हो गया। अस्पताल में इलाज के लिए जाने वाले पीड़ितों जलभराव के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। आयार्पुरी में जाने वाले लोगों को सर्वाधिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां बारिश रुकने के छत्तीस घंटे बाद तक जलभराव से जूझना पड़ता है। लोगों का मानना हे कि सीएचसी के सामने टूटी सड़क में पानी भर जाने के कारण राहगीरों को सड़क का अंदाजा लगाना भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा रहा हैं। वहीं जलभराव खत्म होने के बाद लोगों को राहत मिली।

छात्रा अरिबा को मिला इंस्पायर अवार्ड, भव्य स्वागत

कांधला। खंड विकास क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी सैयद राउफूल हसन की पुत्री अरिबा हसन कंपोजिट विद्यालय में कक्षा छह की छात्रा है। छात्रा के द्वारा इंस्पायर मानक योजना के अंतर्गत प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया था। प्रतियोगिता में विज्ञान मॉडल प्रस्तुतीकरण में छात्रा ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर जनपद शामली और अपने स्कूल व गांव का नाम रोशन किया है। छात्रा अरिबा हसन ने एनिमल सेफ्टी सिस्टम पर प्रोजेक्ट तैयार किया था। उन्होंने बताया कि अक्सर गाड़ी के नीचे कुत्ते बिल्ली आदि बैठे रहते हैं। ऐसे में कई बार अनजाने में जानवर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। जानवरों की सुरक्षा के लिहाज से पूरी योजना तैयार

की गई है। मॉडल को साकार रूप देने को लेकर भारत सरकार के द्वारा छात्रा को दस हजार रुपए नगद ओर प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। छात्रा का गांव पहुंचने पर परिजनों, ग्रामीण और शिक्षकों के द्वारा फूल माला डालकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य ताहिर अली, जितेंद्र कुमार व शशि सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ़्तार

एनपीटी संवाददाता कैराना। पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। रविवार को कैराना कोतवाली पर तैनात उपनिरीक्षक अनिरुद्ध ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया हैं। कब्जे से एक अवैध तमंचा पौनिया 12 बोर व दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पकड़े गए युवक ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम व पता सोनू पुत्र महीपाल निवासी ग्राम टाण्डा थाना छपरौली जनपद बागपत बताया हैं। पुलिस ने युवक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत चालानी कार्रवाई कर दी हैं।

संगठन में अनुशासन जरूरी, दिखानी होगी एकताः गर्ग

एनपीटी संवाददाता

शामली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेशाध्यक्ष घनश्यामदास गर्ग ने कहा है कि संगठन में अनुशासन बेहद जरूरी है, सभी व्यापारियों को अनुशासन में रहकर एकता दिखानी होगी। रविवार को सीबी गुप्ता कालोनी स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक में एक व्यापारी द्वारा संगठन का अनुशासन भंग करते हुए की गयी अभद्र टिप्पणी पर चिंता व्यक्त की गयी। घनश्यामदास गर्ग ने कहा कि व्यापार मंडल व्यापारियों का सुरक्षा कवच है, संगठन सदैव व्यापारी की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष कर रहा है और हमेशा करता रहेगा, मगर व्यापारियों को भी अनुशासन में रहकर एकता कायम रखनी होगी

क्योंकि व्यापार मंडल के पास प्रदेश केवल व्यापारियों की एकता ही एक हथियार है। उन्होंने व्यापारियों को आह्वान करते हुए कहा कि व्यापारियों को किसी भी असामाजिक तत्व से डरने की जरूरत नहीं है, उनका हक व अधिकार कोई छीनने का प्रयास करेगा तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इसके लिए चाहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ही क्यों न जाना पडे। कुछ असामाजिक तत्व प्रदेश की सरकार को बदनाम करना चाहते हैं लेकिन प्रदेश का व्यापारी ऐसे लोगों की मशा को पूरा नहीं होने देगा। इस मौके पर सुभाष चंद धीमान, नरेन्द्र अग्रवाल, रवि संगल, अनुज गोयल, महेश धीमान, वैभव गोयल, शिवांग गर्ग, ऋषभ जैन, पवन गोयल आदि भी मौजूद रहे।

छेड़छाड़ विरोध करने पर भाई के साथ मारपीटं

एनपीटी संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी एक किशोरी ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पीड़िता पशुओं के लिए खेत से चारा लेकर आ रही थी। जैसे ही पीड़िता गांव के निकट पहुंची तो आरोप है कि गांव के ही तीन युवकों ने पीड़िता का हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ शुरू कर दी। पीड़िता ने विरोध किया तो तीनों युवकों ने पीड़िता के साथ मारपीट कर दी। शोर शराबा होने पर पीड़िता का भाई अर्जुन मौके पर आ गया। आरोप है कि तीनों युवकों ने पीड़िता के भाई अर्जुन को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप है कि तीनों युवक जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता के भाई ने अपना डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह का कहना है कि पीड़िता की तहरीर मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

विलंब से चली ट्रेनें, यात्रियों को झेलनी पडी मुसीबत

रेलवे स्टेशन पर लगी रही यात्रियों की भीड, कई बसों व अन्य वाहनों से हुए रवाना

एनपीटी संवाददाता

शामली। रविवार को ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पडा। ट्रेनों के कई-कई घंटे लेट चलने से रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड लगी रही। कई यात्रियों को तो बसों व अन्य वाहनों के माध्यम से अपने गतंव्य की ओर रवाना होना पडा।

जानकारी के अनुसार होली के त्यौहार पर बाहर काम करने वाले लोग अपने-अपने घर आए थे, होली का त्यौहार निपट जाने के बाद अब सभी लोग अपने-अपने कामों पर वापस लौट रहे हैं। रविवार को बडी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के इंतजार में बैठे रहे लेकिन दिल्ली, सहारनपुर जाने वाली ट्रेनें कई-कई घंटे विलंब से चलने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पडा। रेलवे स्टेशन पर सैंकडों यात्री ट्रेनों के इंतजार में बैठे रहे। ट्रेनों के विलंब से चलने व काम पर जल्दी पहुंचने के चलते अधिकांश यात्री बसों व अन्य वाहनों के माध्यम से अपने-अपने गतंव्यों की ओर रवाना हुए।

सास की हत्या करने के मामले में पुत्रवधु गिरफ्तार

एनपीटी संवाददाता

कैराना। खादर क्षेत्र के गांव में घरेलू विवाद में सास का गला दबाकर मौत के घाट उतारने वाली पुत्र वधू को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गत शनिवार को गंदराऊ गांव में साठ वर्षीय फरमुदा उर्फ बुधो की उसकी पुत्रवधू सारिका पत्नी मुसव्वर से लड़ाई हो गई। जिसके बाद पुत्रवधू सारिका ने अपनी सास का गला दबा दिया जिसमें उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची जिसके बाद कार्रवाई की गई। वहीं मृतका के भतीजे मारूफ पुत्र अय्यूब निवासी गंदराऊ ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। पुलिस ने नामजद तहरीर के

आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मृतका फरमुदा का निकाह गंगोह के गांव सोतरा में हुआ था। गत पच्चीस वर्ष पूर्व उसके पति के साथ झगड़ा होने के कारण वह अपने दोनों बेटों तस्सवर व मस्सवर के साथ अपने पिता के घर रहने लगी थी। बेटी को पिता ने दस बीघा भूमि दे दी थी। उसके दोनों बेटों की शादी भी यहीं हुई थी। सास व पुत्रवधू का झगड़ा होता रहता था। गत दिवस हुए झगड़े में आरोपिता सारिका ने सास को मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपीपुत्रवधू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

शिवसेना का विस्तार करेगी जिला कमेटी, महिलाओं की सुरक्षा को बनेगी भवानी सेना

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। कस्बा ऊन के गागौर में स्थित शिवसेना कार्यालय पर मंडल महासचिव मंडल सहारनपुर बालिस्टर छांचियान के नेतृत्व में शिवसेना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें जिले के भिन्न-भिन्न स्थानों पर शिवसेना जनसंपर्क कार्यालय खोले जाने पर चर्चा हुई। जिसमें महिलाओं के लिए भवानी सेना ,युवाओं के लिए युवासेना, भारतीय कामगार सेना व किसान प्रकोष्ठ आदि शिवसेना के नए प्रकोष्ठों का गठन करने की योजना बनाई गई। वही युद्धस्तर पर सदस्यता अभियान चलाए जाने पर भी बल दिया गया। वही शिवसैनिको की बैठक के दौरान लव्वादाउदपुर के खेतों में हुई गोकशी की बड़ी घटना से समस्त शिवसेना टीम बहुत आहत है। बैठक मे कार्यकर्ताओ ने शुरू से अंत तक बैठक में गौरक्षा का मुद्दा उठाया और रोष व्यक्त किया। इस दौरान शिवसेना टीम ने गोरक्षा के लिए तन मन धन से कार्य करने का संकल्प लिया। मंडल महासचिव बालिस्टर छांचियान ने माननीय

एकनाथ शिंदे जी व माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश आदित्यनाथ योगी जी महाराज को पत्र भेजकर उत्तर प्रदेश में भी गोमाता को राजमाता का दर्जा दिए जाने की मांग करने व गोकशी करने वालों को फांसी की सजा दिए जाने की मांग करने की बात कही। इस दौरान मंडल महासचिव शिवसेना मंडल सहारनपुर बालिस्टर छांचियान जिला महासचिव योगेन्द्र कुमार, जिला उपप्रमुख विपिन चौहान, जिला संगठन मंत्री राजकुमार जिला कोषाध्यक्ष विकाश कुमार तहसील महासचिव संदीप खोखर, ब्लॉक प्रमुख मास्टर ब्रजेश कुमार, ब्लॉक महासचिव श्रवण कुमार ब्लॉक महासचिव ब्लॉक सचिव रामनाथ ब्लॉक कोषाध्यक्ष मुकेश शामली तहसील तहसील उपप्रमुख रविन्द्र कुमार राजीव कुमार शर्मा दीपक संजीव राणा शामिल रहे।

शीतला माता के दर्शनों को उमड़ी भीड़

सुबह से ही श्रद्धालुओं की लगी रही लाइन, परिवार की सुख समृद्धि की कामना

एनपीटी संवाददाता

शामली। होली के बाद रविवार को शहर के बडी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड उमडी। श्रद्धालुओं ने माता की पूजा अर्चना व भोग लगाकर परिवार की सुख शांति की कामना की। इस मौके पर मेले का भी आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने खरीददारी की।

होली के बाद रविवार को शहर के मौहल्ला पंसारियान स्थित बडी माता मंदिर में पूजा अर्चना की गई। सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा अर्चना कर हलवा पूरी का भोग लगाकर परिवार की सुख समृद्धि की

कामना की। मंदिर कमेटी द्वारा भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गयी थी। मान्यता है कि बडी माता की पूजा अर्चना करने से कष्टों का निवारण हो जाता है। सच्चे मन से पूजा करने से सभी मनोकामना पूर्ण होती है। श्रद्धालुओं ने बच्चों के दीघार्यु होने की कामना की। इस मौके पर आयोजित मेले में महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की। बच्चों ने विभिन्न तरह के खेल खिलौनों की खरीदारी कर चाट पकौड़ियों का आनंद उठाया। मंदिर के पंडित अशोक शर्मा ने बताया कि होली के बाद रविवार, सोमवार व गुरुवार को बडी माता की पूजा अर्चना की जाती है। रविवार को भी बडी सख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा की। इस मौकेपर मंदिर कमेटी के धर्नेन्द्र संगल, देवानंद गौड, पं. गोलू शर्मा, मोहित भी मौजूद रहे।

संक्षेप समाचार :

किसान के गन्ने के खेत में लगी आग, हजारों का नुकसान

कांधला। थाना क्षेत्र के साल्हा खेड़ी निवासी किसान मुर्सलिम पुत्र अब्बल हसन ने जिलाधिकारी को पत्र भेज कर बताया कि पीड़ित अपने खेत में खड़े घास के अवशेष जल रहा था। इसी बीच पास ही स्थित किसान के गन्ने के खेत में आग लग गई। आग लगने से किसान का एक बीघा गन्ने का खेत जलकर राख हो गया किसानों ने मौके पर पहुंच कर भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से पीड़ित किसान का हजारों रुपए का नुकसान हो गया। किसान ने जिलाधिकारी को पत्र भेज कर मुआवजे की मांग की है।

अवैध संबंधों का विरोध करने पर मारपीट

कांधला। मोहल्ला रायजादगान निवासी महिला ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि पीड़िता का पति आए दिन पीड़िता के साथ मारपीट करता रहता है।

पीड़िता का आरोप है कि पीड़िता के पति के एक अन्य महिला के साथ अवैध संबंध है। आरोप है कि उक्त महिला के चक्कर में आकर पीड़िता के पति ने पीड़िता के जेवरात भी बेच दिए हैं। रविवार को भी पीड़िता को आरोपी पति ने मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। आरोपी पति उक्त महिला को लेकर घर में रखे जेवरात लेकर फरार हो गया। पीड़िता ने अपना डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नवनिर्मित स्कूल का बीजेपी जिलाध्यक्ष ने किया लोकार्पण

चौसाना। चौसाना क्षैत्र के गांव पांथुपूरा मे गोल्ड की पब्लिक स्कूल के उद्घाटन समारोह के दौरान जिलाध्यक्ष निर्वाल ने शिक्षा के महत्व और संस्कारों पर बल देते हुए कहा कि अच्छे विचार और सही दिशा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं। उन्होंने बीजेपी की विचारधारा को भी साझा किया और बताया कि उनकी पार्टी शिक्षा और समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक संदीप सैनी ने जिलाध्यक्ष निर्वाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें फूलमालाओं से सम्मानित किया। बीजेपी की महिला मोर्च की महामंत्री रूबी चौधरी ने संदीप सैनी इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि यह स्कूल क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगें। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल उल्लासपूर्ण हो गया। स्कूल प्रबंधन ने उपस्थित सभी अतिथियों और स्थानीय निवासियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान नेंत्रपाल, अनिल कुमार,आंचल मोहन गर्ग, अमित फोजी प्रधान,पूर्व प्रधान विनोद कुमार, संदीप गोयल,योगेश गौतम, रामधन आदि मौजूद रहें।

कांधला के सेंट द्रोण पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर किया प्रतिभा का प्रदर्शन

एनपीटी संवाददाता

शामली। कस्बा कांधला के सेंट द्रोण पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओ ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार कस्बा कांधला के सेंट द्रोण पब्लिक स्कूल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रबंधक अमन शर्मा ने किया। प्रधानाचार्य विधि शर्मा ने छात्र-छात्राओं के मॉडलों की प्रशंसा की। प्रदर्शनी में 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने विज्ञान मॉडल बनाए इनमें सडक सुरक्षा, सौर मंडल, पर्यावरण, सुरक्षा, स्मार्ट सिटी, सौर ऊर्जा सहित अलग-अलग विषयों के

मॉडल शामिल रहे। हैंड एंड क्राफ्ट की अलग से प्रदर्शनी लगायी गयी। प्रबंधक अमन शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी हमेशा कुछ नया करने की सोचें और इसी में अपनी ऊर्जा को लगाएं। बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा आज इनोवेशन का जमाना है। नवाचार को हर क्षेत्र में बढ़ावा मिल रहा है और इससे अच्छे परिणाम भी सामने आ रहे हैं। सभी ने विज्ञान के साथ दूसरे क्षेत्रों में भी नवाचार को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। इस दौरान उपप्रधानाचार्य आरती जैन, विनय कुमार, कार्तिक, भूरा, हुसैन, शुभम, लकी, पूजा, मेघा, पिंकी, रितु मौजूद रहे।

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना चौसाना बिडौली गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
9082190000,9997173786

पिछड़ता पाकुड़ से पछाड़ता पाकुड़ का सपना हो सकता है साकार,

होली की रंग में भाईचारे की महक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), जिला पाकुड़ वासियों के हृदय में अल्प समयन्तराल के अवधि में ही अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली की साक्ष्य का समायोजन कर चुके युवा उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ को संवारने की हर एक जरूरी कदम उठाते हुए सार्वांगीण विकास की अवयवों को धरातल पर वास्तविक स्वरूप चरितार्थ करने की आयाम स्थापित करने एवं आवश्यक पहलुओं को समायोजित करने में अहम भूमिका अदा करते हुए नजर आ रहे हैं। उपायुक्त मनीष कुमार ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर वास्तविक स्वरूप चरितार्थ करने में लगातार मॉनिटर तो कर ही रहे हैं। साथ ही जिला की सार्वांगीण विकास के ध्यानार्थ प्रोजेक्ट पारख, प्रोजेक्ट प्रयास (हुनर से हुनर तक का सफर)/ एस.आई.पी. अन्य समेत पिछड़ता पाकुड़ से पछाड़ता पाकुड़ की बहु आयामी थीम की शुरूआत करते हुए उल्लेखनीय बहुउद्देशीय आयाम को धरातल पर वास्तविक स्वरूप चरितार्थ करने की आवश्यक एलिमेंट्स को स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। चाहे साफ-सफाई/स्वच्छता के क्षेत्र में हो या फिर सड़कों का चौड़ीकरण या सौन्दर्यीकरण की उत्कृष्ट आयाम स्थापना की अनुकूल अवयवों को सुनिश्चित करना हो या फिर स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ झ साथ शिक्षा जगत में पाकुड़ के स्टूडेंट्स में कंपिटीशन की जागृति स्थापित करने की उत्कृष्ट पंक्ति को समायोजित करने की इश्यू हो, यानी पाकुड़ की सार्वांगीण विकास की आयाम स्थापित करने की मूलभूत सुविधाएं सुव्यवस्थित करने में जुटे हुए हैं। और इसी उम्दा पंक्ति की वजह से ही अल्प समयन्तराल अवधि में ही पाकुड़ वासियों के हृदय में उत्कृष्ट कार्यशैली की पहचान समायोजित करने में कामयाब होता हुआ नजर आ रहे हैं। लेकिन इन उत्कृष्ट आयाम को स्थापित करने की दिशा में कहीं न कहीं पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की भी भूमिका जगजाहिर है। वही लोगों का कहना है कि पाकुड को संवारने में जुटे डीसी झ एसपी की अहम भूमिका पाकुड़ की तकदीर यानी दिशा व दशा बदलने में सहायक साबित हो सकता है। बाहरेहाल जो भी हो, पाकुड़ की सार्वांगीण विकास की आयाम स्थापित करने में जो भुमिका सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं, यदि पाकुड़ डीसी- एसपी को महज साल भर का समय सरकार और देते हैं तो शत- प्रतिशत भरोसा है कि पाकुड़ को संवारने की उम्दा पंक्ति निश्चित रूप से धरातल पर वास्तविक स्वरूप चरितार्थ होता हुआ नजर आयेगा और पिछड़ता पाकुड़ से पछाड़ता पाकुड़ की शब्दोच्चारण जगजाहिर होने के साथ-साथ पाकुड़ विकसित जिले की श्रेणी में अपनी पहचान सुनिश्चित करेगा। साथ ही जिला वासियों की वर्षों की तमन्ना निश्चित रूप से साकार होने के साथ-साथ जिले के संवारने की पूर्व उपायुक्त राधेश्याम बिहारी सिंह की संजोयने की इश्यू वास्तविक स्वरूप चरितार्थ भी होगा। वही गुरुवार शाम को रंगों की त्यौहार होली पर्व के शुभ अवसर पर समाहरणालय संवर्ग के अधिकारी, कर्मी समेत डीसी - एसपी व मीडिया के साथी एक दुसरे को होली की रंग - गुलाल देने के साथ गले लगाते हुए नजर आये। मानो लग रहा था कि देश की सदियों पुरानी संस्कृति की महकती हुई पंक्ति आपसी भाईचारे की नम आंखों की चेहरे पर मुस्कुराहट हृदय को छू गया जो गवाह का प्रतीक बना। इस दौरान मुख्य रूप से उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, डीटीओ संजय पीएम कुजूर, विशेष कार्यपालक पदाधिकारी त्रिभूवन सिंह, एसडीओ साईमन मरांडी, एसडीपीओ डीएन आजाद अन्य समेत थाना प्रभारी व मीडिया के साथी मौजूद थे।

एसडीपीओ कार्यालय भवन सह- आवास निर्माण कार्य का विधायक एवं उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से किया शिलान्यास

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), महेशपुर विधानसभा क्षेत्र से हैट्रिक लगाये विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने रविवार को महेशपुर एसडीपीओ कार्यालय भवन सह- आवास निर्माण कार्य का संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर शिलान्यास किया।

इस दौरान विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने कहा कि एसडीपीओ कार्यालय भवन बनने से यहां के लोगों को काफी सुविधा होगी। पूर्व कार्यालय भवन पूरी तरह जर्जर हो चुकी थी। जिस कारण पुलिस अधिकारी अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे थे। इस अवसर पर एसडीपीओ विजय कुमार, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी विकर्ण कुमार, झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम समेत अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने पुलिस अधीक्षक के साथ पीर पहाड़ का लिया जायजा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०),:पाकुड़ जिले के महेशपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत पीर पहाड़ का उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी पीर पहाड़ पर लगने वाले सालाना उर्स मेला के अवसर पर मेला को स्थानीय आदिवासी समुदाय के विरोध के बाद बंद किया गया था तथा हाल में बाहा पर्व के अवसर पर आदिवासी समुदाय के लोग पीर पहाड़ से सटे जाहेरस्थान स्थल पर पूजा किया। यह पीर पहाड़ पर दो समुदायों का अलग- अलग दावा आने के कारण संवेदनशील मामला बना हुआ है। इसको लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने पीर पहाड़ का दौरा किया और इस सम्बन्ध में आवश्यक दिशा- निर्देश सम्बन्धित पदाधिकारियों को दिया। मौके पर महेशपुर एसडीपीओ, अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

मौसम में बदलाव के संकेत, येलो अलर्ट जारी, मार्च में ही जून जैसे गर्मी का एहसास, बंगाल की खाड़ी में बने एंटी साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से सिंकिंग इफेक्ट - वैज्ञानिक

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड की राजधानी रांची में बीते 24 घंटे में मौसम शुष्क रहा एवं दोपहर में कड़ी धूप ने होली का मजा किरकिरा कर दिया। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और उमस के कारण लोगों को असहजता का सामना करना पड़ा। यदि शनिवार के मौसम की बात करे तो अधिकतम तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, जिससे गर्मी और बढ़ेगी। राजधानी रांची स्थित मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक एंटी साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ है, जिसकी वजह से सिंकिंग इफेक्ट देखा जा रहा है। यह प्रभाव सीधे तौर पर मौसम पर असर डाल रहा है और इसकी वजह से मार्च में ही मई जैसी गर्मी महसूस हो रही है। इस बार मार्च में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक जाने की सम्भावना जताई जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस गर्मी से बचने के लिए वे अधिक सतर्क रहे और खुद को सुरक्षित रखे। झारखण्ड के कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम, पलामू, गढ़वा, धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, और दुमका जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने इन जिलों के निवासियों को विशेष सावधानी बरतने की सुझाव दिया है, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक। इस समय के दौरान घर से बाहर न निकलने की चेतावनी दी गई है। यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो लोगों को पूरी तरह से ढंककर और हाइड्रेट होकर बाहर निकलने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही, सूरज के सीधे सम्पर्क से बचने की सलाह भी दी जा रही है। सूबे के गोड्डा जिला में पारा 41 डिग्री तक जा सकता है, जो राज्य में सबसे अधिक तापमान होगा। यहां के निवासियों को विशेष रूप से सचेत रहने की आवश्यकता है। दोपहर के समय यदि घर से बाहर निकलने की जरूरत न हो, तो बेहतर होगा कि लोग घर में ही रहे। गोड्डा का न्यूनतम तापमान 22 डिग्री रहने की संभावना जताई जा रही है, जिससे रात में भी गर्मी महसूस हो सकती है। पिछले 24 घंटे में झारखण्ड के बहरागोड़ा में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे यह राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। वही, खूंटी में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री तक गिरा, जो सूबे का सबसे ठंडा तापमान था। पाकुड़, साहेबगंज देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा व जामताड़ा में अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रहने की संभावना है। कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और पलामू में अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रह सकता है। जबकि बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, रांची, खूंटी और गुमला में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रहने की संभावना जतायी गयी है। पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री तक जा सकता है। वही रविवार को भी तापमान में वृद्धि महसूस की गई। दोपहर तीन बजे तक चिलचिलाती धूप में सड़कों वाहन तो दौड़ता रहा, मगर तपती धूप के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। वही मौसम विज्ञान केन्द्र रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक 17 मार्च से मौसम में बदलाव के आसार दिख रहे हैं। सोमवार को राज्य के अधिकांश जिले में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं तथा मौसम के शुष्क बने रहने की पूरी सम्भावना है। 18 मार्च को भी आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहेगा।

बारियातू में हर्षोल्लास और शान्तिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ होली पर्व

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), बारियातू। प्रखण्ड मुख्यालय सहित पूरे क्षेत्र में होली का पर्व शनिवार को हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रखण्ड मुख्यालय के अलावा डाढा, फुलसू, बालुभांग, गोनिया, शिबला, साल्वे, टोटो, अमरवाडीह पंचायत के विभिन्न गांवों में गुरुवार रात्रि को शुभ मुहूर्त 10:45 बजे विधिविधान के साथ होलिका दहन किया गया। मुख्यालय स्थित डीएसपी आवास में शुक्रवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद रवानी, के नेतृत्व में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस व ग्रामीणों ने जमकर अबीर-गुलाल खेला. इस मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद रवानी, थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार सिंह, बालूमाथ थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार, हेरहंज थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह, समेत कई अधिकारी के अलावा समाजीक लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बिनोद रवानी ,की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से पहली बार इस तरह का आयोजन किया गया, जिससे पुलिस और ग्रामीणों के बीच आपसी संबंध और मधुर हुए हैं। वहीं, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवानी ने सभी ग्रामीणों को धन्यवाद देते हुए कहा कि होली भाईचारे का पर्व है और पुलिस-ग्रामीणों के बीच इसी तरह सौहार्दपूर्ण संबंध बने रहने चाहिए। पुलिस हमेशा आपकी सेवा में तत्पर रहेगी। इसी क्रम में बाजार टांड़ में पंडित जनार्दन पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर होलिका दहन कराया। वहीं, सभी गांवों के चौक-चौराहों पर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी गईं। होली पर्व को लेकर थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार सिंह अपनी टीम के साथ पूरी तरह मुस्तैद नजर आए, जिससे पूरे क्षेत्र में पर्व शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

वाहन का परिचालन नहीं होने से कोयला ढुलाई हुआ ठप, प्रति टन 400 रुपया भाड़े की है मांग

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), जिला पाकुड़ ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने पूर्व घोषणा के मुताबिक रविवार 16 मार्च 2025 को अपना-अपना वाहन/गाड़ी खड़ी कर दी है। दरअसल बीते सप्ताह भर पहले पाकुड़ लड्डू बाबू आम बागान में जिला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए भाड़ा बढ़ाने अन्य मांगों को लेकर जिला पाकुड़ ट्रक ऑनर एसोसिएशन की ओर से अमड़ापाड़ा स्थित कॉल कम्पानियों को ज्ञापन सोपा गया था। साथ ही सप्ताह के भीतर आवश्यक कारवाई करने हेतु अनुरोध किया गया था। लेकिन उस ज्ञापन के मुताबिक उचित कारवाई नहीं की जाने के कारण ट्रक ऑनर एसोसिएशन की सदस्यों यानी वाहन मालिकों ने रविवार 16 मार्च 2025 से अपनी-अपनी गाड़ी/वाहन का परिचालन करना बंद कर दिया है। पाकुड़ जिला ट्रक ऑनर एसोसिएशन का कहना है कि बीजीआर और डीबीएल कॉल कम्पानी की ओर से लंबे समय से हमारी इस महत्वपूर्ण मांगों का आवश्यक कारवाई की आश्वासन देते आ रहे हैं। लेकिन अब तक इस पर ठोस कदम नहीं उठाने से हमें घटाओं का सामना करना पड़ रहा है। ट्रक ऑनर एसोसिएशन का कहना है कि अभी लायबिलिटी बढ़ चुकी है और आज के महंगाई के दौर में काम से कम ?400 प्रति टन होनी चाहिए। जबकि पहले के ही दर ?300 प्रति टन ही अभी तक दिया जा रहा है। जिससे हमें घाटा हो रही है। साथ ही अमड़ापाड़ा से पाकुड़ रेलवे कोयला साइडिंग तक जाम और खराब सड़क के कारण महीने का महज 30 से 35 ट्रिप ही हो पता है। जिससे जोड़कर देखा जाए तो ड्राइवर का तनख्वाह, खलासी अन्य लायबिलिटिज को जोड़कर अंतिम में हमें घाटा ही हो रहा है। वाहन स्वामियों ने कहा कि जब तक डीबीएल और बीजीआर कोल कम्पानी हमारी मांग पर खड़ा नहीं उतारते हुए कम से कम ?400 प्रति टन किराया नहीं करते हैं तब तक हम बहन का परिचालन नहीं करेंगे।

रंगों की त्यौहार होली पर्व व माहे रमजान की दुसरी जुमा पर डीसी झ एसपी ने किया

प्रेम का संचार, जीता लोगों का दिल, शान्ति का हुआ समायोजन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), अमन- चैन की त्यौहार रंगों की होली पर्व भाईचारे की असीम संचार की महक सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी गूंज उठती है। साथ ही इस माह पवित्र रमजान भी है जो अमन चैन और रहमत व बरकत की माह के नाम से दुनिया में फेमस है की दुसरी नमाजे जुमा भी जिले के सभी मस्जिदों में सुकून के साथ अदा किया गया है। जिले में शान्तिपूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे को बनाए रखते हुए रंगों की त्यौहार होली पर्व मनाने हेतु जहां युवा डीसी मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने जिला वासियों से अपील की। वही रमजान के पवित्र महीने में रोजेदारों को भी नेक नियत और अमन- चैन के साथ रोजा की अहमियत का अनुपालन करने की भी अपील की। डीसी झ एसपी ने जिला वासियों को रंगों की त्यौहार होली पर्व एवं पवित्र रमजान की आगामी त्यौहार ईद व सरहुल की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वही शुक्रवार को रमजान की दुसरी नमाजे जुमा के मौके पर मुस्लिम बिरादरी में भाईचारे की महकती खुशबू और खुशनुमा भरी पल की संचार को डीसी मनीष कुमार व एसपी प्रभात कुमार ने संचारित किया। माहे रमजान की दुसरी जुमे की नमाजियों से मिले, हाल-चाल जाना, डीसी- एसपी के चेहरे में मुस्कराहट देख जुमे की नमाजियों के भी चेहरे में मुस्कुराहट जगजाहिर रहा। वही रंगों की त्यौहार होली पर्व व माहे रमजान की पवित्रता की अनुपालानार्थ में विधि- व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। हर एक चौक झ चौराहों व सेंसिटिव एरिया में काफी सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया।

वही होली त्यौहार की दुसरे दिन यानी शनिवार को भी सभी समुदाय के लोग जमकर होली मनाते रहे, सड़कों पर इमरजेंसी व्हीकल दौड़ता रहा, हर एक सेंसिटिव एरिया व चौक झ चौराहों पर पुलिस मुस्तैद रहे, हर गतिविधियों पर सुरक्षा बलों के द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। जिला प्रशासन शान्तिपूर्ण माहौल में हर्षोल्लास के साथ आपसी भाईचारे को बनाये रखते हुए रंगों की त्यौहार होली पर्व व माहे रमजान की पवित्रता को बरकरार रखते हुए माहे रमजान की अहमियत का अनुपालन कराने में सफल रहे। साथ ही जिला वासियों के हृदय में शान्ति व सौहार्द का समायोजन हुआ। अफवाहों से दूरी बनाते हुए सभी समुदाय के लोग हर्षोल्लाह के साथ होली मनाते हुए रंगों की त्यौहार होली पर्व की पवित्रता को बरकरार रखा। पुलिस महकमे में भी हर्षोल्लास के साथ पवित्र होली पर्व की महकती खुशबू और खुशनुमा भरी पल की संचार भाईचारे व आपसी सौहार्द के साथ हुआ।

अलग-अलग सड़क दुघर्टना में 11 लोग घायल

एनपीटी ब्यूरो

लातेहार (झा०खं०), लातेहार जिला अन्तर्गत बालूमाथम में होली पर्व के अवसर पर बालूमाथ सहित विभिन्न क्षेत्र में हुए अलग-अलग सड़क दुर्घटना में 11 लोग घायल हो गये । जिसमें बालूमाथ अनुमंडल थाना क्षेत्र अन्तर्गत बरछिया ग्राम के पास तीखे मोड़ में एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में बाइक में सवार बजरंगी महतो 24 वर्ष पिता मुकेश महतो सालगी कटरी टोला लोहरदगा, राजेश भुइया पिता परवल भुइयां टंडवा गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वही एकीकृत बालूमाथ थाना क्षेत्र के अलखडीहा ग्राम के पास एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया ।इस घटना में बाइक में सवार युवक संदीप उरांव 20 वर्ष पिता धर्मदेव उरांव गोखलाबागी, बारियातु निवासी गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया ।घायल युवक का प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर किया गया ।इसके अलावा अलग-अलग सड़क दुर्घटना में विशाल कुमार 14 वर्ष पिता परमेश्वर महतो एवं चंदन कुमार 17 वर्ष पिता कोलेश्वर महतो दोनों चतरा निवासी,आरिफ अंसारी 30 वर्ष ग्राम टंडवा निवासी,सोमारू राम 40 पिता रामजी राम(पुलिस कर्मी),अरुण लोहरा 31 वर्ष पिता इंद्रदेव लोहरा ग्राम श्रद्धाबार हेरहंज,संजय यादव 35 वर्ष पिता भुजा यादव होटवार रांची निवासी भुनेश्वर साहू 75 वर्ष पिता तपेश्वर साहू ग्राम टमटम टोला थाना बालूमाथ निवासी,संदीप उरांव पिता धर्मदेव उरांव ग्राम डाढ़ा थाना बरियातू निवासी घायल हो गए । सभी गालों का प्राथमिक उपचार बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया ।

आईडीए गाजियाबाद स्पोर्ट्स इवेंट का समापन, डॉक्टरों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। इनग्राहम इंस्टीट्यूट में इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) गाजियाबाद द्वारा आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। यह आयोजन हर साल होली के अवसर पर किया जाता है, जिसमें गाजियाबाद के सभी डेंटल सर्जन उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। इवेंट के दौरान टेबल टेनिस, बैडमिंटन और क्रिकेट जैसी खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। आईडीए के अध्यक्ष डॉ. रवि भायाना ने बताया कि इस वर्ष डॉक्टरों ने खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। डॉ. नितिन कुमार मोरल ने बताया कि इस वार्षिक आयोजन से डॉक्टरों को खेलों के माध्यम से आपसी मेल-जोल बढ़ाने और फिटनेस को प्राथमिकता देने का अवसर मिलता है। प्रतियोगिता के विजेताओं में टेबल टेनिस सिंगल्स में डॉ. जयहंस अग्रवाल विजेता रहे। टेबल टेनिस डबल्स में डॉ. जयहंस और डॉ. कंदरप विजयी रहे। बौडमिंटन सिंगल्स में डॉ. नितिन मोरल विजेता रहे। मिक्स्ड डबल्स में डॉ. निधि नागर मोरल और डॉ. नितिन मोरल विजयी रहे। वीमेंस सिंगल्स में डॉ. शिखा रौसा नागर ने खिताब जीता। मेंस डबल्स में डॉ. नितिन मोरल और डॉ. तेजस्वी ने जीत दर्ज की। वीमेंस डबल्सः जारा इमरान खान और जैना इमरान विजेता रहीं। क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रेसिडेंट इलेवन टीम विजेता रही। टीम के कप्तान डॉ. सुमीत ग्रोवर ने बताया कि यह मैच बेहद रोमांचक रहा। आखिरी गेंद पर डॉ. दर्शन खटाना ने छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

के.जी. कक्षा में उपभोक्ता अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। सुन्दर दीप वर्ल्ड स्कूल में प्री-प्राइमरी विभाग ने आज के.जी. कक्षा के बच्चों के लिए एक विशेष उपभोक्ता अधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन प्री-प्राइमरी समन्वयक और कक्षा अध्यापकों द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। बच्चों को उत्पादों की समाप्ति तिथि और उनके शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया। बच्चों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और उन उत्पादों के बारे में बताया जो समाप्ति तिथि के बाद हानिकारक हो सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान, बच्चों ने भूमिका निभाई, जिससे उन्हें विषय को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। बच्चों ने यह भी सीखा कि कैसे एक जिम्मेदार उपभोक्ता बनना है और अपने अधिकारों की रक्षा करनी है।

इस अवसर पर प्री-प्राइमरी समन्वयक ने कहा, ₹हमारा उद्देश्य बच्चों को बचपन से ही जागरूक और जिम्मेदार उपभोक्ता बनाना है। यह कार्यक्रम बच्चों को उत्पादों की समाप्ति तिथि के महत्व को समझने में मदद करेगा और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करेगा।

कक्षा अध्यापकों ने भी कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि बच्चों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इस कार्यक्रम के माध्यम से, बच्चों ने उपभोक्ता अधिकारों के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया और यह समझा कि उत्पादों की समाप्ति तिथि व उनके इस्तेमाल का ध्यान रखना कितना महत्वपूर्ण है।

पत्थरबाजी करने वाले 20 लोगों पर केस दर्ज, छह गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मुरादनगर। बंबा मार्ग पर आदर्श कॉलोनी में युवती से छेड़छाड़ करने को लेकर हुए बवाल के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के 20 नामजद समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ादर्श कॉलोनी निवासी युवक ने कॉलोनी की युवती को मोबाइल गिफ्ट देने की कोशिश की, युवती के इन्कार करने पर युवक ने उसके साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद दोनों पक्ष आमने सामने आ गये, दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे व पत्थर चले। करीब आधे घंटे तक हुए पथराव से कॉलोनी में अफरा तफरी का माहौल बना रहा है। एसीपी लिपि नगायच का कहना है कि कस्बा चौकी प्रभारी बाबूराम की तहरीर पर राजा उर्फ सुहैल, शेरू, सलमान, भूरे, निम्मो, जुबैर, अरबाज, शाहनवाज, फईम, फरदीन, सावेज और दूसरे पक्ष के सलीम, सौरेन, सुजैन, शकील, वसीम, नदीम, अफजाल, सुहैल, बिलाल व अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बताया कि राजा उर्फ सुहैल, सावेज, सलीम, सुजैन, नदीम निवासी आदर्श कॉलोनी, सुहेब निवासी निकट बिलाल मस्जिद को गिरफ्तार किया है। एसीपी ने बताया कि बाकी लोगों की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

बलवे में 30 घंटे बाद दर्ज हुई रिपोर्ट, हल्की धारा लगाने का आरोप

मोदीनगर। निवाड़ी के गांव अबूपुर में शुक्रवार को दुल्हैंडी के दिन हुए बलवे में घायल युवक अभिषेक के पिता भोपाल सिंह ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र लिखकर पुलिस की शिकायत की है। पुलिस ने घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। भोपाल सिंह का आरोप है कि पुलिस ने बलवे के तीस घंटे बाद बहुत हलकी धाराओं में घटना की रिपोर्ट दर्ज की। भोपाल ने पुलिस पर तहरीर बदलवाने का आरोप भी लगवाया। आरोप है कि पुलिस ने साठगांठ के कारण बलवाइयों का हलकी धाराओं में चालान किया। बाकी बलवाई अभी भी गांव में खुलेआम घूम रहे हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोपी सोशल मीडिया पर धमकी भरे पोस्ट वायरल कर दहशत फैला रहे हैं। भोपाल सागर ने बताया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र लिखकर सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग की है। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय का कहना है कि आरोप निराधार हैं। तहरीर प्राप्त होने पर तत्काल रिपोर्ट दर्ज की गई। तीन आरोपियों प्रवीण, लाखन और सागर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

जमीन के विवाद में मारपीट, प्रधान समेत 13 पर रिपोर्ट

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। टीला मोड थाना क्षेत्र के फर्रुखनगर गांव के पास खलिहान की जमीन मामले में चल रहे विवाद के बाद दबंगों ने पीड़ित परिवार के साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि राइफल, सरिये और धारदार हथियारों से हमला किया गया है। मारपीट में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर ग्राम प्रधान समेत 13 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

फर्रूखनगर गांव निवासी अंकित त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पास खलिहान की जमीन है। इस जमीन के पास में ही लगभग ढ़ाई साल पहले प्रॉपर्टी डीलर ने किसान से जमीन खरीदकर प्लाटिंग कर दी थी। उस दौरान उनके खलिहान की लगभग 200 गज जमीन पर कब्जा कर लिया था। आरोप है कि खलिहान की जमीन से रास्ता या नाला नहीं निकाला जा सकता। लेकिन वीरेंद्र त्यागी और उनके परिजनों ने उनके खलिहान की ओर गेट बना दिया था। अब नाला भी निकाल दिया। नाले को बनाने में ग्राम प्रधान योगेश गुप्ता ने सहयोग किया। अब रविवार को वीरेंद्र त्यागी पक्ष के लोग नाले पर पटिया डालने का प्रयास कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो वीरेंद्र त्यागी पक्ष के लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। आरोप है कि वीरेंद्र त्यागी पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार, सरिये और राइफल से उन पर उनके भाई अभिषेक और पिता उपेंद्र त्यागी (65) पर जानलेवा हमला किया। अंकित के अनुसार इस हमले में वह, उनका भाई अभिषेक और पिता उपेंद्र त्यागी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर वीरेंद्र त्यागी, अमरेश त्यागी, उमेश, नरेश, प्रशांत, सोनी त्यागी, रजत त्यागी, अन्नू त्यागी, लक्की त्यागी, अंकुर त्यागी, अनुज त्यागी, ग्राम प्रधान योगेश गुप्ता व अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है।

महिला पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप

लोनी। कोतवाली क्षेत्र के मुस्तफाबाद कॉलोनी में रविवार रात सादिया ने अपने पति पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है। 40 फीसदी से भी अधिक झुलसी सादिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला ने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाया। दूसरी शादी करने को लेकर दोनों में अक्सर झगड़ा होता है। महिला के भाई ने लोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूलरूप से गांव आसरा जिला बागपत की निवासी सादिया की शादी 2019 में आरिफ निवासी मोहाली पानीपत के साथ हुई थी। सादिया के भाई सलमान ने बताया कि बहन और आरिफ लोनी के मुस्तफाबाद कॉलोनी में किराये के मकान में रहते हैं। दोनों की पांच वर्षीय बेटी हुमा, जुड़वा बच्चे फातिमा और मोहम्मद 17 माह है। सादिया ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि उनके पति ने दूसरी शादी की है। आरिफ पूर्व में मस्जिद में इमाम का काम करता था। झगड़े को लेकर दंपती पड़ोस में रहने वाले चाचा के घर पहुंचे थे। इसके बाद दोनों अपने घर आ गए। घर आने के बाद फिर से दोनों में झगड़ा हो गया। सादिया ने पुलिस को बताया कि झगड़े के बाद पति ने उनके ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग लगने पर उन्होंने शोर मचाया। शोर सराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह आग बुझाकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। सादिया को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने 40 फीसदी से भी अधिक झुलसने की बात कही है। सूचना पाकर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। मामले में सादिया के भाई सलमान ने आरिफ पर बहन के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी। लोनी एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि महिला के भाई की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की गई है। पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सास ने खाना बनाने के लिए कहा तो इंजीनियर बहू ने मांगा तलाक

गाजियाबाद। पति-पत्नी के जिस बंधन को सात जन्मो को बताया जाता है, वह अब जरा सी बात पर टूटने लगा है। परिवार न्यायालय में चल रहे तलाक के 12 हजार से ज्यादा मुकदमों में कई ऐसे ही हैं, जिनकी वजह बहुत बड़ी नहीं है। ऐसा ही एक मामला है, जिसमें इंजीनियर बहू ने सिर्फ इसलिए तलाक मांगा है क्योंकि सास ने उससे खाना बनाने के लिए कहा।

मामला शहर की एक पॉश कॉलोनी का है। पति-पत्नी सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और गुरुग्राम में अलग-अलग कंपनी में नौकरी करते हैं। महिला को 21 लाख सालाना और उसके पति को 19 लाख सालाना वेतन मिलता है। शादी सात महीने पहले हुई थी। यह प्रेम विवाह था। शादी के दो दिन बाद ही विवाद हो गया।

महिला का कहना है कि शादी से पहले तय हुआ था कि ससुराल में उससे खाना नहीं बनवाया जाएगा। महिला की अधिवक्ता ने बताया कि उस दिन घरेलू सहायिका नहीं आई थी। सास ने दो बार खाना बनवाया। महिला ने अपनी मां से बात की। मां ने भी यही कहा कि जो लोग शादी के दो दिन बाद ही अपना रंग दिखाने लगे, वे बाद में और परेशान करेंगे।

महिला ने पहले परिवार परामर्श केंद्र में शिकायत की। वहां दो बार पति-पत्नी की काउंसलिंग की गई लेकिन सुलह नहीं हो पाई। इसके बाद महिला ने परिवार न्यायालय में तलाक के लिए केस दायर कर दिया। इसमें सुनवाई चल रही है।

काउसलिंग में दूर हो जाती हैं गलतफहमियां।।

इस समय 12 हजार से अधिक केस अदालत में चल रहे हैं। इनमें अधिकांश मामले ऐसे हैं, जो छोटी-छोटी बातों पर अदालत की चौखट तक पहुंच गए हैं। दो से तीन दौर की काउंसलिंग में कुछ जोड़ों की गलतफहमियां दूर हो जाती हैं और वो फिर से अपना परिवार बसा लेते हैं, लेकिन कई मामलों में काउंसिलिंग के दौरान भी जोड़े आपस में लड़ाई करने लगते हैं। अदालतें भी चाहती हैं कि अगर हल्की सी भी गुंजाइश हो तो परिवार बस जाए।

सास बर्तन धोने के लिए

कहती है, मुझे तलाक चाहिए

यह मामला भी प्रेम विवाह के बाद तलाक के लिए कोर्ट के चक्कर काटने का है। शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। युवक साहिबाबाद में जिम ट्रेनर है। युवती मुरादाबाद क्षेत्र की है और बीबीए पास है। युवती का कहना है कि सास ने उससे बर्तन धोने के लिए कहा, इसलिए उसे तलाक चाहिए। सास का कहना है कि उसने मजबूरी में ऐसा किया। उनके पति बीमार हैं। वह उन्हें देखने के लिए जा रही थी। इसलिए, बहू से बर्तन धोने के लिए कह दिया। इसी बात पर बहू नाराज हो गई। उसने मायके से परिजनों को बुला लिया। युवक की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने बताया कि युवती के परिजन पहले शादी के लिए राजी नहीं थे। इस पर युगल ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। तब जाकर शादी हुई थी।

एक नहीं, कई कारण

एमएमजी अस्पताल की क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. चंदा यादव का कहना है कि पति-पत्नी के बीच दूरियां बनने की कई वजह हैं। एक तो सोशल साइट पर ज्यादा समय दिया जा रहा है। इससे एक दूसरे को समझने के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दिया जा रहा। दूसरा देरी से शादी होने से विचारधारा में तालमेल नहीं बन पाता। शादी से पहले और बाद में किसी और से दोस्ती या प्रेम संबंध भी तलाक की वजह बन रहा है।

तेरा यार जमानत पर...', थाने के अंदर युवक ने बनाई रील, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बुलंदशहर के अरनियां थाने में एक युवक का रील बनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वाायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सोशल मीडिया पर 38 सेकंड की वायरल वीडियो में एक युवक थाने से निकलता दिख रहा है। वीडियो में तेरा यार जमानत पर आया गाना एडिट किया गया, वीडियो तेजी से वायरल हो रही है। इसपर पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू करते हुए आरोपी युवक धमेंद्र निवासी सुरजावली को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीओ विकास प्रताप सिंह ने बताया कि युवक किसी कार्य से थाने आया था, जिसके बाद उसने वीडियो बनाई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

आरडब्ल्यूए चुनाव न होने पर लोगों ने निकाली आक्रोश रैली

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गाजियाबाद। अहिंसा खंड एक स्थित ओरेंज काउंटी सोसायटी में छह साल से चुनाव नहीं होने पर सोसायटी के निवासियों ने रविवार को आक्रोश रैली निकाली। आखिरी बार 2018 में सोसायटी के चुनाव हुए थे। इसके बाद से कोई चुनाव नहीं हुए हालांकि लोगों से लगातार रख–रखाव शुल्क वसूला जा रहा है। आक्रोश रैली निकाल रहे लोगों ने कहा कि रख–रखाव शुल्क जमा करने के बावजूद सोसायटी हित में कोई कार्य नहीं हो रहा, इसकी वजह से सभी की परेशानियां बढ़ रही हैं।

आक्रोश रैली दोपहर 12 बजे रखी गई थी, जिसमें लोग 11 बजे से ही एकजुट होने लगे थे। हाथों में बैनर पोस्टर लिए लोगों ने सोसायटी के अंदर ही आक्रोश रैली निकाली और चुनाव कराए जाने की बात कही। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि वह सब रख रखाव शुल्क के नाम पर पर करीब दो हजार रुपये तक जमा कर रहे हैं बावजूद इसके सोसायटी में कार्य नहीं कराए जा रहे। सोसायटी में फ्लैटों की दीवार का जगह–जगह से प्लास्टर गिर रहा है। खतरा बना हुआ है। सोसायटी की लिफ्ट अक्सर खराब रहती है। सोसायटी निवासी अनिल जैन ने बताया कि सोसायटी में कार्यरत दस पदाधिकारियों में से आठ पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं और चुनाव कराने के लिए तैयार हैं। आक्रोश रैली में शामिल लोगों ने प्रधान ब्रिगेडियर दिलीप कपूर और कर्नल सुशील शर्मा पर चुनाव न कराए जाने का आरोप लगाया है। लोगों ने कहा कि दोनों पदाधिकारियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की हुई है जिसकी वजह से डिप्टी रजिस्ट्रार ने चुनाव पर रोक लगा रखी है। आक्रोश रैली में शामिल लोगों के आरोप पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिलीप कपूर का कहना है कि वह लोग भी सोसायटी में चुनाव कराना चाहते हैं लेकिन सोसायटी के निवासी ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की हुई है, इसके चलते चुनाव नहीं हो रहे हैं।

क्या बोले लोग

सोसायटी निवासी विनिता का कहना है कि हमें सोसायटी में दोबारा चुनाव कराने हैं। पांच साल में सरकार बदल जाती है। ये तो फिर भी आरडब्ल्यूए के चुनाव हैं। मीनू गुप्ता का कहना है कि हर महीने समय से रख–रखाव शुल्क दे रहे हैं और हमें उससे दिक्कत भी नहीं है। दिक्कत इस बात से है कि सोसायटी में किसी भी निवासी से किसी प्रकार की सलाह नहीं ली जाती है। महीने में निवासियों के साथ बैठक हो और सोसायटी में जल्द चुनाव किए जाए।

वहीं निवासी केसी गर्ग उम्र (81) ने बताया कि पिछले 15 दिनों में दो बार वो क्लब हाउस के लिफ्ट में फंस चुके हैं। लिफ्ट से कॉल कर उन्होंने मदद के लिए बुलाया तो सोसायटी का स्टाफ मदद के लिए नहीं आया। लगभग 15 मिनट कि मशक्कत के बाद सोसायटी के निवासियों ने उन्हें लिफ्ट से बाहर निकाला।

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी॰ प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।